हर कदम, हर डगर
किसानों का हमसफर
भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद

Agrisearch with a human touch

www.facebook.com/inagrisearch

कृषि अनुसंधान एवं शिक्षा विभाग

नये कदम, बढ़ते कदम

नई सरकार, नई पहल

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद
नई दिल्ली 110001
www.icar.org.in

इस पुस्तिका में... Contents ...

प्रस्तावना Preface	2
सरकार की कृषि प्राथमिकताएं Agricultural Priorities of the Government	4
उपलब्धियों का झरोखा Glimpses of the achievements	14
कृषि शिक्षा में नई पहल New Initiatives in Agricultural Education	16
नवीन अनुसंधान – किसान के द्वार विज्ञान New research — Outreach to farmers	30
किसानों की सेवा में कृषि विज्ञान केन्द्र Krishi Vigyan Kendras in service of farmers	48
भाकृअनुप द्वारा ई–प्रसार Useful Agricultural Portals	66
आईसीएआर अनुसंधान संस्थान ICAR Research Institutes	70
कृषि विश्वविद्यालय Agricultural Universities	82
किसान हैल्पलाइन नंबर Farmers Helpline numbers	91

नये कदम, बढ़ते कदम

New Steps, Progressive Steps

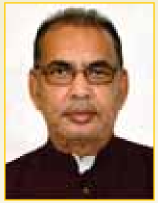

श्री राधा मोहन सिंह
केन्द्रीय कृषि मंत्री

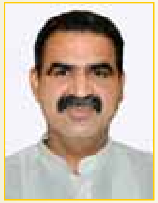

डॉ. संजीव कुमार बालियान
केन्द्रीय कृषि राज्य मंत्री

श्री मोहन भाई कुंडारीया
केन्द्रीय कृषि राज्य मंत्री

कृषि अनुसंधान के दो मंत्र

कम जमीन, कम समय, ज्यादा उपज
प्रति बूंद, अधिक उपज

Two Mantras for Agricultural Research

Less land, less time, more crop
Per drop, more crop

प्रस्तावना

प्रधान मंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में गठित नई सरकार के अभी तक के कार्यकाल में माननीय प्रधान मंत्री के नेतृत्व और केन्द्रीय कृषि मंत्री श्री राधा मोहन सिंह एवं कृषि राज्यमंत्री श्री संजीव कुमार बालियान और श्री मोहन भाई कुंडारिया के दिशा निर्देशन में कृषि अनुसंधान एवं शिक्षा क्षेत्र में विशेष उपलब्धियां हासिल की गईं हैं। परिषद के अधिकारियों और कर्मचारियों की प्रतिबद्धता की भी इसमें अहम् भूमिका रही है। इनमें से अधिकांश को नई पहल और गत 67 वर्षों की तुलना में हासिल नई सफलता के रूप में देखा जा सकता है।

वर्तमान सरकार द्वारा कृषि को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए नीति निर्माण सहित अन्य कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। देशव्यापी तौर पर कृषि क्षेत्र में प्रगति एवं विकास को बढ़ावा देने के लिए इनका प्रभावी तौर पर क्रियान्वयन किया जा रहा है।

Preface

Prime Minister Shri Narendra Modi led new government has achieved some explicit feats under comprehensible directions given by Agriculture Minister Shri Radha Mohan Singh and State Agriculture Ministers Dr Sanjeev Kumar Balyan and Shri Mohan Bhai Kundaria under the leadership of the Prime Minister. The efficient efforts of officials of the Council played major role in these achievements. Most of these steps might be considered as new initiatives and new gains in comparison to last 67 years.

The present government accorded highest priority to agriculture and besides making appropriate policies took several important decisions in this direction. Effective implementation of these programmes has been initiated at national level to have better development and growth in agriculture sector.

सरकार की कृषि प्राथमिकताएं

प्रधान मंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा भाकृअनुप के 86 वें स्थापना दिवस (29 जुलाई 2014) के अवसर पर दिए गए व्याख्यान में नई सरकार की कृषि प्राथमिकताओं को निम्न बिन्दुओं में रेखांकित किया गया है:

- जलवायु परिवर्तन की चुनौतियां : वैज्ञानिकों द्वारा किए गए संशोधनों के माध्यम से प्रगतिशील किसानों द्वारा किए गए प्रयोगों द्वारा बदलते हुए जलवायु परिवर्तनों की चुनौतियों का सामना करने के लिए विशेष प्रयास।
- बूंद–बूंद से ज्यादा उपज : 'हर बूंद से ज्यादा उपज' कैसे ली जाए, इस लक्ष्य की प्राप्ति के लिए अनुसंधान कार्यकलापों पर जोर।
- 'लैब टु लैण्ड' : इस कार्यक्रम को अधिक प्रभावी बनाते हुए कृषि तकनीकों को खेतों तक पहुंचाने के लिए सार्थक प्रयास। किसानों और युवाओं को प्रमुखता।
- दलहन–तिलहन उत्पादकता बढ़ाने की जरूरत : दलहन और तिलहन की उत्पादकता बढ़ाने की दिशा में विशेष प्रयास किए जाएंगे ताकि निर्धन आबादी को प्रोटीन सुलभ हो।
- कम समय में फसल : कम समय में फसलें तैयार करने वाली वैज्ञानिक पद्धतियों के विकास पर बल। नई किस्मों का विकास।
- पशु उत्पादकता में कृषि : देशी पशुओं से अधिक उत्पादकता हासिल करने के लिए कृषि वैज्ञानिकों के कार्यों को किसानों तक पहुंचाने की दिशा में कदम। देशी गोपशुओं का संरक्षण।
- नीली क्रांति : देश की सामुद्रिक संपत्ति एवं मत्स्य संपदा के क्षेत्र में अधिक विकास किए जाएंगे ताकि नीली क्रांति के सपने को साकार किया जा सके। औषधीय समुदी खरपतवारों की खेती पर बल।
- कृषि रेडियो : कृषि कॉलेजों के अपने रेडियो स्टेशन विकसित कर छात्रों को काम दिया जाए, जिससे वे अनुसंधान करें और रेडियो पर वार्ता तथा अनुभव प्रस्तुत करें।
- कृषि अनुसंधानों का डिजिटल रूपांतरण : सभी कृषि विश्वविद्यालयों में अब तक जितने भी अनुसंधान हुए हैं, उन सबका डिजिटल रूपांतरण करके एक जगह इकट्ठा करने की पहल।
- हिमालय क्षेत्र के औषधीय पौधों का समुचित उपयोग : इन औषधीय पौधों के अधिकतम प्रयोग के लिए दवा उद्योग, फार्मास्यूटिकल विभागों, कृषि विभागों एवं अनुसंधान संस्थानों के बीच बेहतर समन्वयन को बढ़ावा।
- कृषकों के टैलेंट पूल का विकास : प्रत्येक कृषि विश्वविद्यालय और अनुसंधान संस्थानों द्वारा स्थानीय स्तर पर प्रगतिशील कृषकों के टैलेंट पूल के विकास को प्रोत्साहन ताकि ग्राम स्तर पर प्रौद्योगिकियों की उपलब्धता सुनिश्चित की जा सके।
- कुशल मानव संसाधन का विकास : कृषि शिक्षा को उन्नत तथा व्यावहारिक बनाकर छात्रों में कौशल का विकास और उन्हें गांवों व किसानों के साथ जोड़ना ताकि छात्रों में व्यावहारिक कुशलता के विकास से किसानों को भी उनके ज्ञान का लाभ मिल सके।

- भूमि सुधार : भूमि सुधार के लिए परम्परागत पद्धतियों और वैज्ञानिक तकनीकों का मेल कराकर भूमि की उर्वरता को बढ़ाने का प्रयास। फसलों के बीच में खेत को खाली छोड़ने जैसी प्रक्रियाओं पर ध्यान देते हुए भूमि सुधार की रणनीति का विकास।
- गुणवत्ता सुधार : फसलों की उपज बढ़ाने के प्रयासों के साथ उनकी गुणवत्ता बढ़ाने पर भी जोर ताकि खाद्य सुरक्षा के साथ पोषण सुरक्षा को भी अधिक मजबूत बनाया जा सके। उपज बढ़ने के साथ गुणवत्ता पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना को न्यूनतम रखा जाए।

Agricultural Priorities of the Government

The address delivered by the Prime Minister Shri Narendra Modi on the occasion of 86th ICAR Foundation Day (29 July 2014) set the tone of agricultural priorities of the government.

- **Challenges of the climate change:** Adoption of scientific interventions to mitigate the challenges of climate, by the progressive farmers
- **More crop per drop:** Emphasis on the research to develop technologies for more production from each drop of water
- **Lab-to-land:** Strengthening the programme so that agricultural technologies can be disseminated among farmers; more emphasis on farmers and youth
- **Improving the production of pulses and oilseeds:** Special efforts are required in this direction so that poverty-ridden population can have better proteinous diet.
- **Short- duration crops:** More emphasis on development of cropping systems for short-duration crop varieties

- **Animal productivity:** Improvement in the productivity of indigenous animals and disseminating the technical know-how among farmers
- **Blue revolution:** More research in the marine and aquaculture resources to realize the dreams of Blue revolution; emphasis on the cultivation of medicinal sea weeds
- **Community radio:** Each agricultural college should have community radio; students should be engaged in information dissemination process
- **Digitization of agricultural research:** All the research work done in the agricultural universities should be digitized and warehoused at one data centre
- **Optimum use of medicinal plants of the Himalayan region:** Better co-ordination between different pharmaceutical agencies and research institutes to improve the utilization of these medicinal plants.
- **Development of Farmers' Talent Pool:** The National Research and Education System should ensure the development of local farmers' talent pool
- **Development of skilled human resources:** Development of appropriate skills in students by making the agricultural education more practical oriented; linking the students with villages and farmers so that they are agriculture sector smart and the farmers can also benefitted by interacting with them
- **Land reforms:** Integration of traditional as well as modern techniques to improve the soil fertility; management of the fallow period and development of land-use strategies.
- **Quality improvement:** Emphasis on improvement in productivity as well as quality so that both the food and nutritional security are assured. Minimize the quality loss while improving the yield of crops.

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद का राष्ट्रव्यापी नेटवर्क

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद की स्थापना 16 जुलाई, 1929 को पंजीकृत सोसायटी के रूप में की गयी थी। यह भारत सरकार के कृषि मंत्रालय के अंतर्गत स्वायत्त संगठन के रूप में कार्य करती है, जिसके अध्यक्ष कृषि मंत्री हैं। परिषद ने साठ के दशक में हरित क्रांति का सूत्रपात करते हुए देश को खाद्यान्नों में आत्मनिर्भर बनाया तथा खाद्य सुरक्षा हासिल की। कृषि शोध, शिक्षा और प्रसार के द्वारा परिषद ने देश में आधुनिक कृषि को विस्तार दिया है, जिससे आज हम कृषि संबंधी चुनौतियों से निपटने में सक्षम हैं।

अनुसंधान संस्थान

भारतीय कृषि को भाकृअनुप के अतिरिक्त कई उत्पादों से संबधित संस्थान भी विरासत में मिले हैं। भाकृअनुप के प्रथम पुनर्गठन में संस्थानों का प्रशासन बेहतर कृषि अनुसंधान प्रबधंन हेतु परिषद् को स्थानान्तरित किया गया था। परिषद् द्वारा कृषि से जुड़े समस्त कार्यक्षेत्रों, जिनमें फसल, बागवानी, प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन, पशु विज्ञान, मात्स्यिकी सहित कृषि इंजीनियरिंग तथा सामाजिक विज्ञान शामिल हैं, अनुसंधान कार्य किए जाते हैं। ये कृषि अनुसंधान संस्थान(100)देश के विभिन्न हिस्सों में कार्यरत हैं तथा कृषि एंव संबधित क्षेत्रों में अनुसंधान एंव प्रौद्योगिकी हस्तक्षेप कर कृषि विकास में अत्यन्त महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

राज्य कृषि विश्वविद्यालय

स्वतत्रंता प्राप्ति से पूर्व कृषि में उच्च शिक्षा को ज्यादा महत्व नही दिया जाता था। इस बात की पुष्टि इस तथ्य से होती है कि 1948 में देश में सिर्फ 17 कृषि महाविद्यालय थे और कृषि विज्ञान में स्नातकोत्तर अनुसंधान कार्यों की प्रशिक्षण सुविधा मात्र 160 छात्रों के लिए ही उपलब्ध थी। वर्ष 1948–49 में डा0 एस राधाकृष्णन की अध्यक्षता में गठित विश्वविद्यालय शिक्षा आयोग ने यह सिफारिश की थी कि देश में शिक्षित मानव संसाधन एंव कौशल युक्त विशेषज्ञों की आपूर्ति के लिए ग्रामीण विश्वविद्यालयों की प्रणाली का विकास करना जरूरी है। विश्वविद्यालय शिक्षा आयोग द्वारा इस क्रम में 'लैंड ग्रांट कॉलेज' की अवधारणा की शुरूआत की गई। क्यूमिंग्स समिति की संस्तुतियों के आधार पर भाकृअनुप द्वारा एक मॉडल एक्ट का विकास किया गया है जिसे नए स्थापित किए जाने वाले कृषि विश्वविद्यालय उपयुक्त परिवर्तन कर अपना सकते हैं। कृषि विश्वविद्यालयों की अवधारणा का मूल मंत्र है, अध्यापन, अनुसंधान और विस्तार कार्यकलापों के समन्वयन से कृषकों की समस्याओं का समाधान करना। इन विश्वविद्यालयों के विकास में इसकी अहम् भूमिका है। कृषि विश्वविद्यालयों की शुरूआत वैज्ञानिकों एंव कृषकों के बीच संपर्क कायम करने के उद्देश्य से की गई थी। वर्ष 1960–65 में चौथी पंचवर्षीय के दौरान देश में उत्तर प्रदेश, ओडिशा, राजस्थान, पंजाब, आंध्रप्रदेश, मध्यप्रदेश और मैसूर(कर्नाटक) में 7 कृषि विश्वविद्यालयों की स्थापना की गई। वर्तमान में देश में 71 राज्य कृषि विश्वविद्यालय; 2 केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय; तथा 4 समतुल्य विश्वविद्यालय हैं जिनसे कृषि मानव संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित हो रही है।

अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान प्रायोजनाएं

भाकृअनुप वार्षिक रिपोर्ट 1965–66 में प्रकाशित निम्न टिप्पणी से अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान प्रायोजनाओं के महत्व को सहज ही समझा जा सकता है–

'रिपोर्टाधीन वर्ष के दौरान भारत में कृषि अनुसंधान के क्षेत्र में कृषि फसल, पशुधन, प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन एंव कृषि इजीनियरिगं का कृषि क्षेत्र में सुधार के लिए अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान प्रायोजनाओं का अस्तित्व में आना सर्वाधिक महत्वपूर्ण घटना है। इन प्रायोजनाओं का क्रियान्वयन देशव्यापी आधार पर भाकृअनुप के प्रत्यक्ष सुपरविज़न एंव तकनीकी मार्गदर्शन में किया गया जाएगा।' इस समय देश में अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान प्रायोजनाओं, राष्ट्रीय नेटवर्क प्रायोजनाओं तथा अनुसंधान प्रायोजनाओं की संख्या बढ़कर 131 हो गई है।

राष्ट्रीय कृषि विज्ञान कोष

12वीं पंचवर्षीय योजना में राष्ट्रीय कृषि विज्ञान कोष की शुरूआत 500 करोड़ रुपये के प्रावधान से की गई है तथा इसके द्वारा कृषि में बुनियादी एंव रणनीतिपरक अनुसंधान कार्यों को सहायता प्रदान की जायेगी । इस योजना का मुख्य लक्ष्य कृषि में बुनियादी, रणनीतिपरक एंव अत्याधुनिक अनुसंधान कार्यकलापों हेतु क्षमता निर्माण करना तथा ऐसे मुद्दों पर शोध कार्यों को बढ़ावा देना है जिनका समाधान संगठनों/संस्थानों के संयुक्त प्रयासों से गहन बुनियादी एंव रणनीतिपरक अनुसंधानों के माध्यम से संभव हो सकता है। इस योजना के माध्यम से अब तक 102 प्रायोजनाओं को वित्तीय सहायता प्रदान की जा चुकी है तथा इनमें से अधिकांश प्रायोजनाएं कंसोर्शियम मोड में हैं। इनमें से 72 प्रायोजनाएं वर्तमान मे जारी हैं तथा 65 बहुसंस्थानिक प्रकार की हैं

संस्थान	100
कृषि विश्वविद्यालय	71
कृषि विज्ञान केन्द्र	641
अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान प्रायोजना	78
क्षेत्रीय प्रायोजना निदेशालय	08

National Network of the Indian Council of Agricultural Research

The Indian Council of Agricultural Research (ICAR) was established on 16 July 1929 as a Registered Society under the Societies Registration Act 1860. It is an autonomous organization under the Department of Agricultural Research and Education, Ministry of Agriculture, Government of India, and the Union Minister of Agriculture is the President of the ICAR. The Council played a major role in Green Revolution in the sixties and the nation could achieve self- sufficiency in food production. The Council strengthened the research, teaching and extension capabilities of the nation and the nation is able to withstand the new challenges in agricultural arena.

Research Institutes

The Indian Council of Agricultural Research inherited Indian Agricultural Research Institute besides institutes on several commodities. In the first reorganization of the ICAR, the administration of institutes was transferred to the Council for better management of agricultural research. The Council conducts research on total matrix of agricultural science, i.e. from crop to horticulture, natural resource management, animal sciences to fisheries besides agricultural engineering and social sciences. The hundred (100) research institutes spread across the length and breadth of the nation

cater to the research and technology intervention requirements in the agriculture and allied sector.

State Agricultural Universities

Higher education in Agriculture had a low status before Independence. In 1948, there were only 17 agricultural colleges in India and facilities for training in postgraduate research work in agricultural sciences were available for only 160 students. In 1948-49, the University Education Commission under the chairmanship of Dr S. Radhakrishnan recommended that a system of rural universities be established to supply skilled persons that would be needed by the country and to meet the requirements of an educated citizenship. The University Education Commission introduced the Land-Grant College Philosophy in India. On the basis of recommendations of Cumming's committee paper (1960-62), the ICAR developed a model act which could be adopted with changes as were necessary by the newly-developing agricultural universities. The concept of Agricultural Universities was based on integration of teaching, research and extension to solve the problems of farmers. This was an important milestone in the development of these universities. The Agricultural Universities were initiated to forge a link between the scientists and the farmers. During 1960-1965, seven agricultural universities came into existence in the States of Uttar Pradesh, Odisha, Rajasthan, Punjab, Andhra Pradesh, Madhya Pradesh and Mysore (Karnataka). At present, there now are 71 state agricultural universities; 2 Central Agricultural Universities; and four deemed-to-be universities, providing the much needed agriculture human resources.

All India Coordinated Research Projects

The following statement in ICAR Annual Report 1965-66 highlights the importance of AICRP—'a significant development in the field of

Agricultural research in India during the year under report was the formulation of All India Coordinated Research Projects for the improvement of agricultural crops, animal, natural resource management and agricultural engineering. A cardinal feature of AICRP is that they will be operated on a country-wide basis under the direct supervision and technical guidance of the ICAR. At present, the total number of AICRPs, NNP (National Network Project) and Co-ordinated Projects is 131.

National Agricultural Science Fund

The 'National Agricultural Science Fund' (NASF) with an outlay of ₹ 500.0 crore during the XII Plan supports basic and strategic research in agriculture. The main objective of the scheme has been to build capacity for basic, strategic and cutting edge application research in agriculture and address issues which can be solved by intensive basic and strategic research jointly by team of organizations/ institutions. The scheme has already funded 102 projects, mostly in consortium mode. Out of which, 72 are on-going projects and 65 are multi-institutional in nature.

Institutes	100
Agricultural Universities	71
Krishi Vigyan Kendras	641
All India Co-ordinated Research Projects	78
Zonal Project Directorates	8

उपलब्धियों का झरोखा

Glimpses of Achievements

कृषि शिक्षा में नई पहल

नए कृषि विश्वविद्यालयों की स्थापना

आंध्र प्रदेश और राजस्थान में दो नए कृषि विश्वविद्यालय

देश में कृषि शिक्षा के प्रसार की आवश्यकता को समझते हुए वर्तमान सरकार ने आंध्र प्रदेश और राजस्थान में दो नए कृषि विश्वविद्यालयों की स्थापना करने का निर्णय लिया है। इन प्रदेशों के युवाओं को कृषि शिक्षा प्राप्त करने के अतिरिक्त स्थानीय कृषकों को भी इन विश्वविद्यालयों से विविध प्रकार की आधुनिक कृषि जानकारियां मिल सकेंगी। नए विश्वविद्यालय अपने–अपने क्षेत्र विशेष की आवश्यकताओं के अनुरूप अनुसंधान करेंगे तथा कृषि विकास को नए आयाम प्रदान करेंगे। इनकी स्थापना के लिए 100 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है।

तेलंगाना और हरियाणा में दो नए बागवानी विश्वविद्यालय

विश्व में फल एवं सब्जी उत्पादन में शीर्ष देशों की श्रेणी में शामिल होने के गौरव को बनाए रखने के लिए यह जरूरी है कि इस क्षेत्र में नई तकनीकें विकसित की जाएं। इन तकनीकों को ज्यादा से ज्यादा कृषकों तक पहुंचाया जाए तथा प्रशिक्षित मानव संसाधन तैयार किया जाए। इसी लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए तेलंगाना के अतिरिक्त हरियाणा में दो नए बागवानी विश्वविद्यालयों की स्थापना की जा रही है और इसके लिए 100 करोड़ रुपये बजट में आबंटित किए गए हैं।

New initiatives in Agricultural Education

New Agricultural Universities

New agricultural universities for Andhra Pradesh and Rajasthan

To promote the cause of agricultural education in the country two new agricultural universities are being set up in Andhra Pradesh and Rajasthan. The youth will not only get education but also get latest information on agriculture. These universities will work as per the local requirements. A sum of ₹ 100 crore has been allocated for this purpose.

New Horticultural universities for Telangana and Haryana

To maintain the position in top countries in fruit and vegetable production, it is must to develop new horticultural techniques. Considering the growing requirement of improved varieties of vegetables and fruits, two new horticultural universities are also being set up in Telangana and Haryana. Primarily, an assistance of ₹ 100 crores will be provided for new universities in 2014-15.

नये कृषि अनुसंधान संस्थान

असोम और झारखण्ड में दो नए राष्ट्रीय कृषि अनुसंधान संस्थान

नई दिल्ली स्थित पूसा संस्थान को कृषि क्षेत्र में अपनी विशिष्ट उपलब्धियों के कारण देश का सर्वोत्तम कृषि अनुसंधान संस्थान होने का गौरव प्राप्त है। देश में हरित क्रांति लाने में भी इस संस्थान के वैज्ञानिकों की उल्लेखनीय भूमिका रही। लेकिन स्वतंत्रता प्राप्ति के 67 वर्षों के बाद भी देश में इसी तरह का दूसरा संस्थान स्थापित नहीं किया जा सका था। वर्तमान सरकार ने देश की कृषि को नई दिशा देने में ऐसे संस्थानों के महत्व को समझते हुए तुरंत ही दो अन्य ऐसे विशिष्ट कृषि अनुसंधान संस्थानों की स्थापना असोम और झारखण्ड राज्यों में करने की घोषणा की है। ये दोनों संस्थान कृषि से संबंधित सभी विद्याओं में शिक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, पूसा के नक्शे कदम पर बनाए जा रहे हैं। इनकी स्थापना हेतु 100 करोड़ रुपये का प्रावधान रखा गया है। पूर्वोत्तर इलाकों के अलावा बिहार, ओडिशा और बंगाल, सरीखे देश के पूर्वी राज्यों में कृषि के विकास में इन संस्थानों की अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका होगी।

New Agricultural Research Institutes

New national agricultural institutes in Asom and Jharkhand

The Indian Agricultural Research Institute is known for its research achievements. This has also been the seat for Green Revolution. There was only one IARI (Indian Agricultural Research Institute) in the country though 67 years had elapsed after Independence, and no other institute of its caliber could be established.

Considering the need of broad base agri-research in view of the enormous biological diversity in the country, two new IARI type institutions are being set up in Jharkhand and Asom. A financial provision of ₹ 100 crore has been made for this purpose, this year. These institutes will also cater to the requirements of Bihar, Odisha and West Bengal besides the north-eastern states.

रानी लक्ष्मीबाई केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय, झांसी का पहला शैक्षिक सत्र

झांसी स्थित इस नवनिर्मित केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय में कुलपति की नियुक्ति के उपरांत विश्वविद्यालय में पहला शैक्षिक सत्र प्रारंभ हो सका। इस विश्वविद्यालय का प्रतीक चिन्ह कृषि मंत्री द्वारा जारी किया गया। झांसी और दतिया क्षेत्रों में चार नए कृषि महाविद्यालयों की स्थापना के लिए भूमि अधिग्रहण का कार्य प्रगति पर है।

First session of Rani Laxmibai Central Agricultural University

Vice Chancellor was appointed for this newly established university resulting in beginning of the first academic session. The logo of the University was released by the Agriculture Minister. Land is being acquired for the establishment of four new colleges in Jhanshi and Datia.

राजेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, पूसा को राजेन्द्र केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय में परिवर्तित करने के लिए समझौता ज्ञापन

कृषि अनुसंधान एवं शिक्षा विभाग (डेयर) तथा कृषि विभाग, बिहार के बीच राजेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, पूसा को राजेन्द्र केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय में परिवर्तित करने के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। केन्द्रीय कृषि मंत्री श्री राधा मोहन सिंह, की उपस्थिति में इस समझौते पर डॉ. एस. अय्यप्पन, सचिव, डेयर एवं महानिदेशक, भाकृअनुप ने 'डेयर' की ओर से हस्ताक्षर किए। इस निर्णय से बिहार की कृषि अर्थव्यवस्था को बल मिलने के साथ लघु एवं सीमांत कृषकों के जीवन में खुशहाली आने की उम्मीद है। इस केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय के लिए 12वीं पंचवर्षीय योजना में 400 करोड़ रुपये का आबंटन किया गया है।

MoU Signed for Conversion of RAU into RCAU

An MoU was signed between Department of Agricultural Research and Education (DARE) and Agriculture Department, Bihar for conversion of Rajendra Agricultural University, Pusa into Rajendra Central Agricultural University, Pusa.

Union Agriculture Minister hoped that this step will boost agricultural economy of the Bihar and prosperity for small and marginal farmers. Agriculture Minister, Bihar called it a day of historical importance and informed that a road map has been prepared for development of agriculture in Bihar.

A sum of ₹ 400 crore has been allocated during 12th Five Year Plan for this Central Agriculture University.

रांची में भारतीय कृषि जैव प्रौद्योगिकी संस्थान का शिलान्यास

कृषि क्षेत्र में जैव प्रौद्योगिकी पर आधारित तकनीकी शोध एवं अनुसंधान कार्यकलापों को बढ़ावा देने के लक्ष्य के अनुरूप झारखण्ड के रांची में एक नए कृषि जैव प्रौद्योगिकी संस्थान की आधारशिला रखी गई। इसके लिए रांची के बाहरी क्षेत्र में 120 एकड़ भूमि उपलब्ध करायी गयी है। इसकी प्रारंभिक स्थापना के लिए 287 करोड़ रुपये की वित्तीय सहायता का प्रावधान भी किया जा रहा है।

Foundation stone laid for Indian Institute of Agricultural Biotechnology at Ranchi

To give thrust to biotechnology in agriculture, the foundation stone was laid for establishment of Indian Institute of Agricultural Biotechnology at Ranchi (Jharkhand). A total land area of 120 acres on the outskirts of Ranchi has been provided for the establishment of this institute. A sum of ₹ 287 crore is being provided as financial assistance to set up the institute.

पूर्वोत्तर राज्यों में कृषि शिक्षा को बढ़ावा

नई सरकार द्वारा पूर्वोत्तर राज्यों में कृषि शिक्षा, अनुसंधान एवं प्रसार को बढ़ावा देने के लिए एक बड़ा कदम उठाते हुए केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय, इम्फाल के अंतर्गत छह नए कृषि महाविद्यालय खोलने तथा इसके विकास के लिए 788 करोड़ रुपये की राशि आबंटित की गयी। इनकी स्थापना से महाविद्यालयों की कुल संख्या 7 से बढ़कर 13 हो जाएगी।

1. कृषि महाविद्यालय, पासीघाट, अरुणाचल प्रदेश
2. बागवानी महाविद्यालय, बारापानी, मेघालय
3. कृषि महाविद्यालय, बारापानी, मेघालय
4. पशु चिकित्सा विज्ञान एवं पशु पालन महाविद्यालय, दीमापुर, नगालैण्ड
5. खाद्य प्रसंस्करण महाविद्यालय, मणिपुर
6. बागवानी महाविद्यालय, सिक्किम

Promotion of Agricultural Education in North-Eastern states

The Government has fully recognized the need to strengthen teaching, research and extension education activities in the north-eastern region. Accordingly, the Central Agricultural University in Imphal is being strengthened with the addition of six new colleges (two colleges each of agricultural sciences and horticulture, and one College each of Veterinary Sciences and Food Technology) under the university; raising the total number of colleges from 7 to 13. A provision of ₹ 788 crore has been made for agri-education in the north-eastern region during the 12th Five Year Plan.

The colleges are to be established at :

1. Agriculture College, Pasighat, Arunachal Pradesh
2. Horticulture College, Barapani, Meghalaya
3. Agriculture College,Barapani, Meghalaya
4. Veterinary Sciences and Animal Husbandry College, Dimapur, Nagaland
5. Food Processing College, Manipur
6. Horticulture College, Sikkim

मेघालय में नया केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय

मेघालय के बड़ापानी में एक नये केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय की स्थापना की जा रही है। इसकी स्थापना के लिए रिभोई के क्यर्डेंकुलाई जिले में 236 एकड़ भूमि का चयन किया गया है। इसके अंतर्गत मेघालय एवं नगालैंड में कृषि, गृह विज्ञान, पशुचिकित्सा एवं पशुपालन महाविद्यालय खोले जायेंगे।

A New Central Agricultural University for Meghalaya

A new Central Agricultural University is to be established at Barapani, Meghalaya. At Ri-Bhoi, 236 acre land has been identified for the new campus. Under this university, colleges for Agriculture, Home Science, Veterinary and Animal Husbandary will be opened at Meghalaya and Nagaland.

मेघालय

नवीन अनुसंधान – किसान के द्वार विज्ञान

New Research – Outreach to Farmers

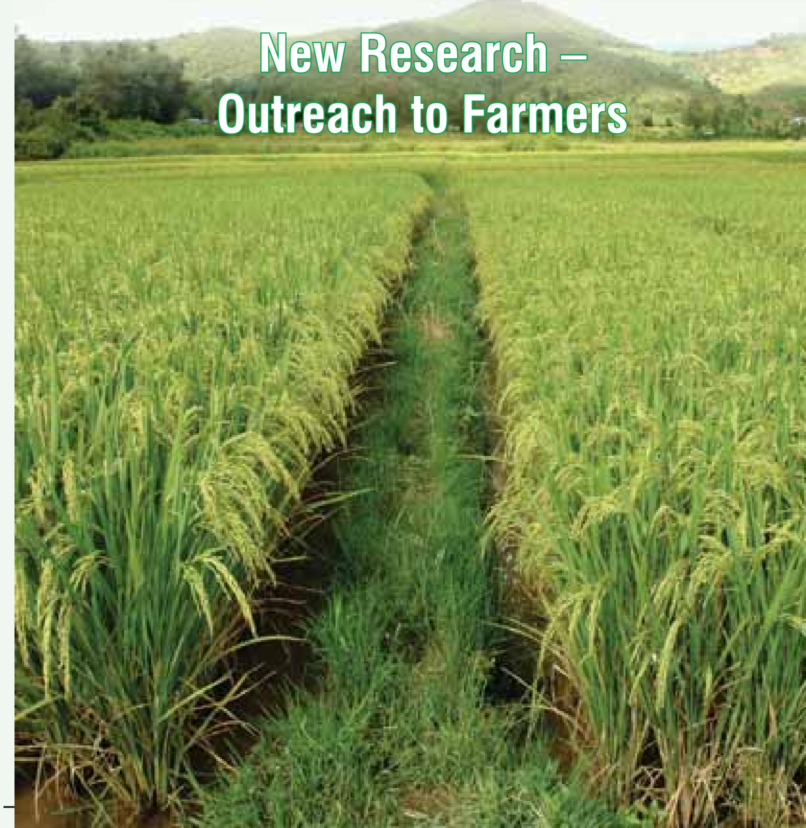

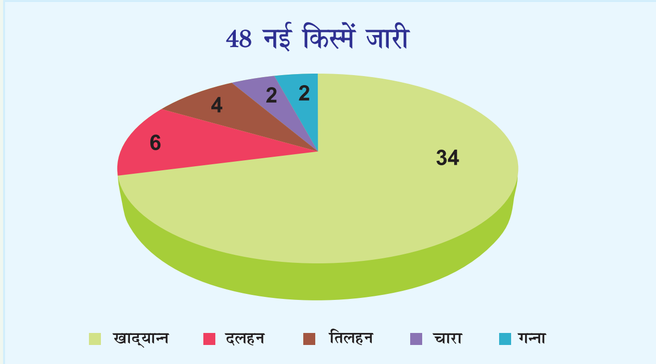

जारी नई किस्में

भाकृअनुप में सदैव ऐसी फसल किस्मों और संकर किस्मों के विकास पर मुख्य रूप से ध्यान केन्द्रित किया गया है, जो नाशीजीव प्रभाव की प्रतिरोधी हों और अजैविक दबाव दशाओं (मृदा और जल लवणता, मृदा अम्लीयता, सूखा, बाढ़ और इस प्रकार के अन्य पहलू) के प्रति सहनशील हों। वर्ष 2014 के उत्तरार्ध में 48 किस्में (अनाज की 34, तिलहन की 4, दलहन की 6 तथा चारा और गन्ने प्रत्येक की 2 किस्में) जारी की गईं। इसके अतिरिक्त महत्वपूर्ण व्यावसायिक फसल मखाना की पहली उन्नत किस्म 'स्वर्ण वैदेही' भी तैयार की गई। इससे पूर्व के 6 माह में केवल 26 किस्मों की तुलना में यह उपलब्धि इस क्षेत्र में लगभग 100 प्रतिशत का सुधार दर्शाती है।

Crop Varieties released

The ICAR has always emphasized on the development of crop varieties that are resistant to biotic as well as abiotic stress conditions (soil and water salinity, soil acidity, drought, floods, waterlogging and other such conditions).

During the latter half of the year 2014, 48 varieties were released, which include 34 of cereals, 4 of oilseeds, 6 of pulses and 2 each of forages and sugarcane). First time 'Swaran Vaidahi', a commercial variety of makhana was released.

गेहूं जीनोम का ब्लूप्रिंट तैयार

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के राष्ट्रीय पादप जैव प्रौद्योगिकी अनुसंधान केन्द्र, नई दिल्ली; पंजाब कृषि विश्वविद्यालय, लुधियाना तथा दिल्ली विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों ने इंटरनेशनल व्हीट जीनोम सिक्वेंसिंग कंसोर्शियम (IWGSC) के सहयोग से ब्रैड–गेहूं जीनोम का एक गुणसूत्र आधारित मसौदा अनुक्रम प्रकाशित किया। गेहूं जीनोम की डिकोडिंग से प्रत्येक गेहूं गुणसूत्र (क्रोमोसोम) में 125,000 से भी अधिक जीनों की पहचान की गई। गेहूं का

आनुवंशिक ब्लूप्रिंट पादप विज्ञान अनुसंधान कर्मियों एवं गेहूं प्रजनकों के लिए एक अमूल्य स्रोत है। इसकी सहायता से प्रत्येक गेहूं गुणसूत्र पर विशिष्ट जीनों को सटीक ढंग से पहचाना जा सकेगा। इसके माध्यम से गेहूं में डीएनए फिंगरप्रिंटिंग, विविधता विश्लेषण तथा मार्कर सहायक प्रजनन के लिए हजारों मार्कर उपलब्ध कराए जाएंगे। गेहूं जीनोम की उपलब्धता से जीन की खोज करने में तेजी आएगी और साथ ही श्रेष्ठ गुणवत्ता वाली गेहूं किस्मों के विकास को गति मिलेगी।

Wheat genome blueprint

Wheat Genome was decoded first time in the world, and Scientists of the ICAR New Delhi; PAU, Ludhiana; and Delhi University, Delhi played important role in its development. This genetic blueprint of wheat will help in the fast-track development of superior wheat varieties.

This important work was accomplished under an international consortium, viz. International Wheat Genome Sequencing Consortium (IWGSC) in which India was a major partner. This research was published as the cover story by internationally acclaimed magazine "*Science*".

धान की अधिक प्रोटीनयुक्त "हीरा" किस्म

अल्प परिपक्वता अवधि वाली चावल की किस्म 'हीरा' को नमी वाले मौसम में बारानी उच्च भूमि परिस्थितियों के तहत तथा शुष्क मौसम में सिंचित परिस्थितियों के अंतर्गत पहले जारी किया गया था। यह 11.5 प्रतिशत प्रोटीन के पोषक तत्वों की एक उत्कृष्ट स्रोत पाई गई। पोषक तत्वों से भरपूर विशिष्ट चावल के रूप में व्यावसायिक खेती के लिए इसकी क्षमताओं को देखते हुए ओडिशा में 'हीरा' चावल की व्यावसायिक खेती को बढ़ावा दिया जा रहा है।

Protein - rich rice variety 'Heera'

Heera, a short duration, early-maturing variety of rice was released for rainfed zones during monsoon season and for irrigated land during dry season. Scientists have identified availability of 11.5% protein in this variety, while other varieties have only 8% protein. The variety will address protein malnutrition in poorer section of the society considering the fact that staple food of half of the Indian population is rice.

कृषि-डाक

इस अनूठी योजना के अंतर्गत दूर–दराज के क्षेत्रों में रहने वाले कृषकों को खाद्यान्नों, तिलहनों एवं सब्जियों की उन्नत किस्मों के बीज डाकपालों द्वारा उपलब्ध करवाए जा रहे हैं। यह कार्यक्रम शुरूआती स्तर पर 20 जिलों में लागू किया गया। इसकी सफलता और लोकप्रियता को देखते हुए अब इसे 14 प्रदेशों के 100 जिलों में कृषि विज्ञान केन्द्रों की साझेदारी से विस्तारित किया जा रहा है। इससे दूरदराज के किसानों को उन्नत बीज घर बैठे मिल सकेंगे।

इन प्रदेशों में जम्मू कश्मीर, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, हरियाणा, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल, ओडिशा, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, राजस्थान और गुजरात शामिल हैं।

कृषकों को नई फसल की किस्मों के बीजों के पैकेट और खेती संबंधित संस्तुतियां इस योजना के माध्यम से डाक के जरिये उपलब्ध करायी जाती हैं। इतना ही नहीं संस्थान द्वारा संबंधित डाकपालों को इनके तकनीकी पहलुओं के बारे में प्रशिक्षण भी दिया जाता है ताकि वे कृषकों को इनसे संबंधित बुनियादी ज्ञान दे सकें। इस योजना का जिन क्षेत्रों में लाभ पहुंच रहा है वहां पर खाद्यान्नों, तिलहनों और सब्जियों का 10 से 30 प्रतिशत तक उत्पादन बढ़ने की रिपोर्ट मिल रही है।

किसानों तक उन्नत बीजों को समय रहते उपलब्ध कराने के लिए यह प्रणाली अत्यधिक प्रभावी पायी गई है। यह मॉडल न केवल कम मात्रा में इस्तेमाल किए जाने वाले सरसों, बाजरा, सब्जियों और पुष्प बीजों, बल्कि अधिक मात्रा में इस्तेमाल किए जाने वाले धान और गेहूं के बीजों के प्रसार में भी प्रभावी रहा।

Krishi Dak

Under this novel scheme postmen are supplying seeds of improved varieties of vegetables and foodgrains to the farmers in far-flung areas. Indian Agricultural Research Institute, New Delhi, initiated this programme in 20 districts. By observing its success and popularity, this scheme is being extended in 100 districts of 14 states with the association of Krishi Vigyan Kendras. This will provide improved seeds to the farmers at their home. The 14 states are Jammu and Kashmir, Punjab, Haryana, Himachal Pradesh, Uttarakhand, Uttar Pradesh, Bihar, Jharkhand, West Bengal, Odisha, Chhatisgargh, Madhya Pradesh, Rajasthan and Gujarat.

Under this scheme, packets of improved seeds of new varieties and other inputs related to farming are made available to the farmers through postal services. Not only this the Institute also trains DakPal on the technical aspects so that they can disseminate basic knowledge to the farmers. As per received report, the impact of this scheme is showing increase in the production of foodgraings, oilseeds, and vegetables from 10 to 30 % in those areas where this scheme is implemented. This mode was found very effective in providing the improved seeds to farmers on time.

The model is very effective in supplying the improved seeds required in small quantity like mustard, pearlmillet, vegetables and flowers as well as large quantities like rice and wheat.

प्राकृतिक आपदाओं की चुनौतियों का सफलतापूर्वक सामना

सूखा और बाढ़ के नुकसान को कम करने में आकस्मिक योजनाओं का योगदान

देश के कृषकों को इस अवधि में कई तरह की प्राकृतिक आपदाओं का सामना करना पड़ा, जिनमें मानसून में कमी की वजह से सूखे और कई अन्य हिस्सों में बाढ़ की विभीषिका से उत्पन्न तबाही की स्थितियों का प्रमुख रूप से उल्लेख किया जा सकता है। प्रकृति प्रदत्त इन चुनौतियों से कृषकों को बचाने के लिए जिलावार स्तर पर आकस्मिक योजनाओं का सफलतापूर्वक क्रियान्वयन किया गया। इन योजनाओं के माध्यम से देश के 580 से अधिक आपदाग्रस्त जिलों के किसानों को नुकसान से बचाने के साथ राहत प्रदान की गई। इसके अतिरिक्त भाकृअनुप के वैज्ञानिकों एवं विशेषज्ञों द्वारा ऐसे प्रभावित क्षेत्रों के लिए वैकल्पिक फसल प्रणालियों के बारे में जानकारियां प्रदान की गईं। स्थानीय कृषकों को ऐसी स्थितियों से निबटने में सक्षम बनाने हेतु जागरूक भी किया गया। बैठकों और कार्यशालाओं के अतिरिक्त इंटरफेस कार्यक्रमों का आयोजन इस क्रम में बड़े पैमाने पर किया गया तथा वेबसाइट एवं सोशल मीडिया पर भी इससे संबंधित जानकारियां उपलब्ध करवाई गईं। इन प्रयासों की बदौलत कृषि उत्पादन की हानि को 2.5 प्रतिशत तक सीमित कर पाना संभव हो सका।

हुदहुद तूफान की चुनौती

आंध्र प्रदेश और ओडिशा के तटवर्ती क्षेत्रों की नारियल और अन्य बागवानी फसलों को हुदहुद तूफान के प्रकोप से बचाने एवं प्रबंधन हेतु भाकृअनुप के विशेषज्ञों द्वारा समय पर उचित परामर्श और सलाह प्रदान की गई। इससे फसलों को बड़े नुकसान से बचा पाना संभव हो सका।

Successful Mitigation of Challenges due to Natural Calamities

The Indian farmers faced many natural calamities during this period ranging from drought like conditions due to lack of monsoon to sudden floods in many areas. District-wise contingency plans were developed and successfully implemented. Through these contingency plans farmers were given help in 580 districts. The scientists of the Council also gave information on alternative cropping patterns in the affected areas. Awareness programmes were also conducted to alert the farmers about the challenges. Meetings, workshops and interphase programmes were conducted at a large scale and were popularized through media. All these efforts restricted the agriculture losses to under 2.5%.

Challenges of Hudhud

Coconut and horticultural plantations at the coastal areas of Andhra Pradesh and Odisha, were saved from the Hudhud cyclone by taking appropriate and timely actions on the advice of ICAR's experts.

उम्दा वंश वाले मुर्रा भैंसे की क्लोनिंग द्वारा उच्च श्रेणी के भैंस के कटड़े का विकास

भाकृअनुप–राष्ट्रीय डेयरी अनुसंधान संस्थान, करनाल में हैंड गाइडेड क्लोनिंग तकनीक के उपयोग द्वारा 'रजत' नामक नर क्लोन कटड़े को पैदा करने में सफलता हासिल की गयी। यह कटड़ा उच्च वंश वाले मुर्रा भैंसे (एमयू–4393) के वीर्य से तैयार किया गया है। डेयरी उद्योग के लिए उच्च गुणवत्ता वाले जर्मप्लाज्म के तीव्र बहुगुणन में क्लोनिंग तकनीक दो प्रकार से उपयोगी सिद्ध हो सकती है। प्रथम, उम्दा वंश वाले भैंसों के क्लोन द्वारा नर कटड़ों का विकास और द्वितीय, अधिक दूध देने वाली भैंस के क्लोन द्वारा उच्च गुणवत्ता वाली कटड़ियों का विकास। 'रजत' का जन्म उच्च वंश वाले भैंसे के हिमीकृत वीर्य से कोशिका प्राप्त करके किया गया। यह भैंसा अखिल भारतीय वंश परीक्षण कार्यक्रम के पांचवें दौर में प्रथम आया था और इसकी उन्नतशीलता 22.29 प्रतिशत थी।

'Rajat' cloned from frozen semen cells of a progeny tested buffalo bull

A high ranking progeny tested bull was cloned successfully with the birth of a male calf 'Rajat'. The calf was cloned from the frozen semen of elite Murah bull (Mu4393). The cloning was done by obtaining the cells from frozen semen of the bull which died many years ago. Rajat will be able to produce semen worth ₹ 3 crore during its productive phase. Through cloning high quality bulls can be provided to animal husbandry men in a very short time.

ब्रुसेलोसिस के शीघ्र निदान के लिए 'लैटरल फ्लो ऐसे'

ब्रुसेलोसिस रोग के कारण पशुधन में प्रजनन संबंधी रोग, गर्भपात, प्रजनन अक्षमता, प्लेसेंटा का बने रहना, मृत शिशुओं का पैदा होना आदि समस्याएं उत्पन्न होती हैं। इससे भारतीय डेयरी कृषकों को प्रति वर्ष 350 मिलियन रुपयों की हानि होने का अनुमान है।

इस संदर्भ में राष्ट्रीय पशुविज्ञान महामारी एवं रोग सूचना विज्ञान संस्थान, बेंगलुरू ने ब्रुसेलोसिस के शीघ्र निदान के लिए'लेटरल फ्लो ऐसे' नामक नैदानिक परीक्षण तकनीक विकसित की है। यह अत्यंत संवेदी, विशिष्ट एवं शीघ्र परिणाम देने वाली तकनीक है।

भेड़ों के चेचक रोग की रोकथाम

भेड़ों के घातक चेचक रोग की रोकथाम के लिए उन्नत टीका विकसित किया गया। भेड़ों में मृत्युदर कम होने से भेड़पालकों को आर्थिक लाभ होगा।

इसके परिवहन के लिए कोल्ड चेन की आवश्यकता नहीं है तथा इसे पशुबाड़ों में आसानी से इस्तेमाल किया जा सकता है। इसकी सहायता से रोग के फैलाव पर नियंत्रण पाया जा सकता है, क्योंकि इससे रोग के प्रथम चरण में ही निदान संभव है।

Rapid Diagnosis of Brucellosis

A rapid diagnosis method was developed to detect brucellosis, the main cause of abortion and reduced fertility. Only one drop of blood is enough to detect the disease and cold chain is also not required in the procedure.

Vaccine for sheep pox

Vaccine has been developed for the prevention of fatal disease of sheep. Reduced mortality rate will improve the condition of sheep farmers.

लुप्तप्राय वन-भैंस का क्लोन विकसित

विलुप्तप्राय पशुओं के संरक्षण के लिए क्लोनिंग तकनीक का उपयोग एक नया और महत्वपूर्ण कदम है। इस दिशा में कार्य करते हुए क्लोनिंग तकनीक द्वारा 'दीपाशा' नामक वन–भैंस की कटड़ी को विकसित किया गया। जन्म के समय इसका शरीर भार 32 किलोग्राम था। दीपाशा का जन्म उसकी मां की कोशिकाओं से क्लोनिंग करके किया गया है, जिसका नाम आशा है। आशा, छत्तीसगढ़ के उदन्ती वन्यजीव अभयारण्य में अपनी प्रजाति की अकेली मादा के रूप में मौजूद है। नर भैंसे के साथ सामान्य समागम के बाद इसने कई बार नर भैंसे को ही जन्म दिया, जिससे इसके लुप्त होने का खतरा बढ़ गया। इस समस्या को देखते हुए क्लोनिंग करने की पहल की गयी। छत्तीसगढ़ में वन भैंसा नामक इस प्रजाति का काफी महत्व है, परन्तु यह हमारी पालतू भैंस से अलग है। इस प्रजाति को वन्यजीव संरक्षण अधिनियम के अंतर्गत विलुप्तप्राय जाति की श्रेणी में रखा गया है। इस प्रजाति का संरक्षण आवश्यक है, क्योंकि इससे पालतू भैंस की नस्ल को सुधारने में सहायता मिलेगी।

Endangered Wild Buffalo Cloned

Cloning, a new and revolutionary technique is useful for conservation of endangered animal species. 'Deepasha' a clone of wild buffalo was developed to save this species from extinction. Deepasha weighed 32 kg at the time of birth and she was cloned from cells of her mother called Asha, the only surviving female of this breed in the Udanti Wildlife Sanctuary at Chhattisgarh. She gave birth to only male calves after natural matings. Cloning was contemplated, realizing that after her the breed may become extinct. The wild buffalo is very important for the ecosystem of Chhattisgarh, and it is different from the domestic buffalo. Under the Wildlife Conservation Act, the wild buffalo has been categorized as an endangered species. Conservation of this wild relative of buffalo is must as at one point it may help in improving the genetic make-up of the domestic buffalo.

किसानों की सेवा में कृषि विज्ञान केन्द्र

देश के 594 जिलों में 641 कृषि विज्ञान केन्द्र कार्यरत हैं, इस प्रकार 93 प्रतिशत ग्रामीण जनपदों में ये केन्द्र कृषि विकास में सशक्त भूमिका निभा रहे हैं। जिला स्तर पर कृषि संबंधी विभागों के साथ मिलकर विभिन्न कृषि कार्यक्रमों को लागू करने में भी ये केन्द्र तकनीकी समर्थन और सामयिक जानकारी उपलब्ध कराने के प्रमुख स्रोत हैं। अनुसंधान–विस्तार–किसान संवाद को मजबूत करने के लिए इन केन्द्रों द्वारा किसान मेला, किसान गोष्ठी, खेत दिवस, किसानों के समस्याधीन खेतों का निरीक्षण और सलाह, आदि संपर्क कार्यक्रम नियमित रूप से आयोजित किये जाते हैं।

प्रमुख कार्यकलाप

- आधुनिक कृषि प्रौद्योगिकी पर किसानों व विस्तार कर्मियों के ज्ञान और कौशल के विकास के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन
- खेत–परीक्षणों के माध्यम से तकनीकों का मूल्यांकन और प्रयोग
- विभिन्न कृषि प्रौद्योगिकियों का स्थान–विशिष्टता के अनुसार किसानों के खेतों पर अग्रपंक्ति प्रदर्शनों का आयोजन
- कृषि–प्रौद्योगिकी के ज्ञान एवं संसाधन केन्द्र के रूप में कार्य करना तथा संवाद व मीडिया साधनों द्वारा कृषि सलाह प्रदान करना
- मिट्टी, पानी, पौधे और खाद आदि के नमूनों की प्रयोगशाला में जांच और तद्नुसार सलाह प्रदान करना
- गुणवत्तायुक्त बीज, पौध उत्पाद, जैव उर्वरक, बायो–एजेंट और मत्स्य बीज का उत्पादन और इन्हें किसानों को उपलब्ध कराना

Krishi Vigyan Kendras in service of farmers

In 594 districts of India, 641 Krishi Vigyan Kendras are working and playing a very effective role in the agricultural development in 93% rural blocks. The KVKs and other departments are the focal points for providing the latest technical information and support at the district level. To establish the link between scientists and farmers *kisan melas, kisan gosthies, khet divas* etc. are organized regularly.

Main activities

- Training programmes are conducted for capacity building of farmers and extension workers.
- Frontline demonstrations are conducted on different technologies by KVKs.
- disseminating the modern and scientific agriculture through different media activities
- Assessment of agricultural technologies through field demonstrations and further evolution
- Guidance is provided on the basis of soil fertility testing, water management, and other inputs
- Production of quality seeds, planting material, bioagents and fish fingerling, and distribution to farmers

चार नए कृषि विज्ञान केन्द्र खोले गए

वर्तमान सरकार के कार्यकाल में असोम के बक्सा, मोरी गांव और बोगंईगांव तथा झारखण्ड के रामगढ़ में नए कृषि विज्ञान केन्द्रों की स्थापना की गई है। अब कृषि विज्ञान केन्द्रों की संख्या बढ़कर 641 तक पहुंच गई है।

Four new Krishi Vigyan Kendras

During the regime of new government, four new Krishi Vigyan Kendras were opened in Baksa, Mori gaon and Bogaigaon in Asom and Raigarh in Jharkhand. Now the total number of Krishi Vigyan Kendras in the country is 641.

किसानों तक बढ़ती पहुँच

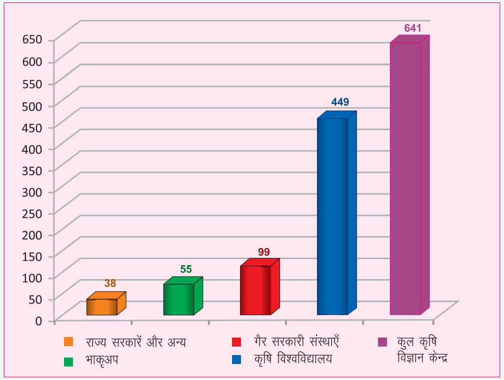

कृषि विज्ञान केन्द्र

कृषि विज्ञान केन्द्रों का सुदृढ़ीकरण

वैज्ञानिक एवं आधुनिक कृषि के प्रसार में कृषि विज्ञान केन्द्रों की महत्वपूर्ण भूमिका है। इस महत्व को समझते हुए इनके संसाधनों को सुदृढ़ करने के साथ नवीन विषयों में विशेषज्ञता से अधिक सुसज्जित करते हुए प्रत्येक केन्द्र में वैज्ञानिकों की वर्तमान संख्या 7 से बढ़ाकर 11 की जा रही है। इसी प्रकार प्रत्येक कृषि विज्ञान केन्द्र के कुल कर्मियों की संख्या 16 से बढ़ाकर 22 की जा रही है। इतना ही नहीं इन केन्द्रों पर मृदा उर्वरता और जल प्रबंधन, प्रारंभिक प्रसंस्करण, बीज प्रसंस्करण एवं कार्प हैचरी जैसी सुविधाएं भी उपलब्ध कराई जा रही हैं। इन्हें सूचना एवं संचार की

अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी से भी लैस किया जा रहा है। 1974 से स्थापना के बाद 1998 तक कुल 275 कृषि विज्ञान केन्द्र स्थापित किये गये थे। उसके बाद तत्कालीन प्रधान मंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेयी जी के निर्णयों के उपरांत दसवीं पंचवर्षीय योजना में इनकी संख्या दो गुनी हो गयी थी। विगत वर्षों में 79 केवीके खोले गये हैं, जबकि बारहवीं पंचवर्षीय योजना मे 121 केन्द्र खोलने का प्रावधान किया गया है। इस प्रकार बारहवीं पंचवर्षीय योजना के अंतर्गत देश के 641 ग्रामीण जिलों में कृषि विज्ञान केन्द्रों की कुल संख्या को बढ़ाकर 751 किया जाएगा। इनमें 24 नए जिलों में तथा 55 अतिरिक्त केन्द्र बड़े जिलों में स्थापित किए जाएंगे। पांच हजार फुट से अधिक ऊंचाई पर स्थित 5 जिलों में भी नए केन्द्रों की स्थापना की जाएगी।

कृषि विज्ञान केन्द्रों को अधिक प्रभावी एवं सक्षम बनाने के अलावा इनकी विसंगतियों को दूर करने हेतु केन्द्रीय कृषि मंत्री द्वारा गठित उच्चाधिकार समिति की सिफारिशों पर अमल करते हुए सुधारात्मक कार्य किये जाएंगे।

Strengthening of Krishi Vigyan Kendras

The KVKs of the Indian Council of Agricultural Research, play a major role in disseminating the modern and scientific agriculture. In last six months, 73,123 on-farm trials and demonstrations were conducted on different technologies by KVKs. Each KVK will have 11 subject matter experts instead of 7 at present to cover all areas of agriculture.Similarly the total staff strength of each KVK has been increased from 16 to 22. Facilities like soil fertility testing, water management, preliminary processing, seed treatment and carp hatcheries, are also being developed. The KVKs will be provided with the latest information and communication technologies also.Since the inception in 19974 till 1998 only 275 KVKs were established after that at the behest of the then Prime Minister Shri Atal Bihari Vajpayee ji the number was doubled in the Tenth Five Year Plan. After that 79 KVKs were started but in 12 Five Year Plan 121 KVKs have been planned. Under 12th Plan the 641 rural districts of the country will have KVKs increasing the total number to 751. Out of these 24 will be established in new districts and additional 55 in bigger districts. Five districts at more that 5,000 ft height will be getting new KVKs.

To strengthen the KVKs and remove the anomalies, corrective measures will be taken as per the recommendations of the high level committee constituted by Union Agriculture Minister.

मेरा गांव, मेरा गौरव

'मेरा गांव, मेरा गौरव' नाम योजना प्रस्तावित है, जिससे 'प्रयोगशाला से खेत' प्रक्रिया में तेजी लाने के लिए किसानों के साथ वैज्ञानिकों के संपर्क को बढ़ाया जा सके। इस योजना का उद्देश्य प्रत्येक वैज्ञानिक द्वारा एक गांव की पहचान कर किसानों को नियमित रूप से सूचना, ज्ञान एवं परामर्शी सुविधा प्रदान कर प्रोत्साहित करना है। किसानों के बीच इन विभिनन संस्थाओं के बारे में और इनके द्वारा प्रदान की जाने वाली सेवाओं के बारे में जागरूकता बढ़ाए जाने की जरूरत है ताकि देश के किसान अपनी जरूरतों के अनुसार परामर्श एवं समाधान प्राप्त कर सकें।

इस प्रकार राष्ट्रीय कृषि अनुसंधान एवं शिक्षा प्रणाली के वैज्ञानिकों द्वारा 20,000 गांवों को संपर्क गांव के रूप में चिन्हित कर कार्य किया जा सकता है। प्रत्येक वैज्ञानिक निम्न तरीके से चयनित संपर्क गांव में कार्य कर सकते हैं:

1. एक गांव का चयन कर कृषकों से संवाद स्थापित करना।
2. किसानों को सामयिक रूप से फोन एवं मोबाइल संदेश द्वारा कृषि क्रियाओं की जानकारी पहुंचाना।
3. गांव की परिस्थितियों के अनुसार संभावित कृषि प्रणाली पर मौसम के अनुसार 2–3 पृष्ठ का कृषि साहित्य उपलब्ध कराना।
4. किसानों को कृषि निवेश, ऋण, बीज, उर्वरक, रसायन, कृषि यंत्र, कृषि जलवायु, बाजार आदि से संबंधित जानकारियां उपलब्ध कराना।
5. कृषि वैज्ञानिक समाचार पत्रों, सामुदायिक रेडियो आदि के माध्यम से भी क्षेत्र विशेष में किसानों को जागरूक करना।
6. स्थानीय स्तर पर किसानों के लिए कार्यरत संगठनों एवं संस्थाओं जैसे स्वयंसेवी संस्थाओं, आत्मा, अन्य सरकारी विभागों व उनके कार्यक्रमों के बारे में कृषकों को अवगत कराना।
7. आवश्यकतानुसार चयनित संपर्क गांव का भ्रमण कर किसानों की बैठक आयोजित करना एवं संबंधित संस्थानों से विशेषज्ञों की भागीदारी सुनिश्चित करना।
8. वैज्ञानिक द्वारा ग्रामीण स्तर पर तकनीकी समस्याओं की पहचान कर आगामी अनुसंधान कार्यक्रमों में उपयोग में लाना।
9. गांव से संबंधी तकनीकी, सामाजिक व आर्थिक आंकड़े सृजित करना व किये गये कार्यों की तिमाही रिपोर्ट प्रस्तुत करना।

Mera Gaon – Mera Gaurav

There are around 20,000 teachers and scientists working in State Agricultural Universities and ICAR institutes. A new scheme is being launched to involve all these agricultural experts in the country for effective and deeper reach of scientific farming to the villages. Each expert will associate himself with one particular village and can work as follows:

- meet the farmers
- find out the gaps in development and give scientific advice through mobiles and telephonic messages
- solutions as per the condition of the village and provide information in print mode
- Information pertaining to farm investment, loans, availability of seeds, new varieties, soil testing facilities, appropriate use of fertilizers and pesticides, emergence of diseases on specific crops, and on issues related to feeding, health and management of farm animals, fisheries and poultry

'आर्या'- अट्रैक्टिंग एंड रिटेनिंग यूथ इन एग्रीकल्चर

देश में युवाओं की बडी संख्या का लाभ उठाने के लिए 'आर्या' नामक विशेष कार्यक्रम प्रारंभ किया जा रहा है। इसके अंतर्गत ग्रामीण क्षेत्रों के 35 वर्ष से कम आयु के युवाओं को कृषि की ओर आकर्षित करने तथा उन्हें कृषि में आकर्षक अवसर प्रदान करने के लिए विशेष कदम उठाए जायेंगे ताकि आजीविका के लिए शहरों की ओर युवाओं के बढते पलायन को रोका जा सके। इसके लिए 100 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है।

इस कार्यक्रम के अंतर्गत देश के चुने हुए प्रत्येक जिले से 400 ग्रामीण युवाओं को 5 वर्षों के लिए शामिल किया जाएगा। देश के पर्वतीय एवं कम आबादी वाले हिस्सों के प्रत्येक जिले में 200–250 ग्रामीण युवाओं की हिस्सेदारी सुनिश्चित की जाएगी। इस प्रकार अखिल भारतीय स्तर पर कुल 10000 युवाओं को इस कार्यक्रम के जरिये जोड़ा जाएगा। चयन के क्रम में लैगिंक एवं सामाजिक वर्गों के आधार पर युवाओं को प्रतिनिधित्व दिया जाएगा। इस कार्यक्रम का क्रियान्वयन करने वाले कृषि विज्ञान केन्द्रों द्वारा प्रत्येक युवा प्रत्याशी की क्षमताओं का आकलन कर उनके लिए उपयुक्त कृषि उद्यम का चयन किया जाएगा। युवाओं को उद्यमशीलता कौशल के विकास के अतिरिक्त वित्तीय संस्थानों के लिए विषयों के अनुसार प्रोजेक्ट रिपोर्ट तैयार करने, उद्यम से संबंधित ट्रेनिंग भी दी जाएगी। 'आर्या' के क्रियान्वयन में राष्ट्रीय स्तर पर भाकृअनुप द्वारा नोडल एजेंसी की भूमिका निभायी जाएगी।

ARYA- Attracting and Retaining Youth in Agriculture

ARYA scheme was initiated to take advantage of the large youth force available in India. Special efforts will be taken to attract, train and retain the under 35 rural youth towards agriculture and agriculture related income generating enterprises to check the rural migration. A total of ₹100 crore has been allocated for this plan.

Under this scheme, at all India level 10,000 rural youth, 400 from each selected district, while 200 - 250 from hilly and less populated areas, will be selected and linked for five years. At the time of selection, proper representation of the gender and social status of the youth will be kept in mind. The implementing Krishi Vigyan Kendras will judge the capacity of the trainee and train them accordingly.The youth will be taught some skill besides training in preparing subject-specific project reports for financial institutions. The ICAR will act as a nodal agency for implementation of ARYA at national level.

हर बूंद से अधिकाधिक फसल

एक नयी दृष्टि के परिणामस्वरूप विभिन्न विषयों में 'कंसोर्शिया रिसर्च प्लेटफॉर्म' की अवधारणा विकसित की गयी है, जिसके अंतर्गत विभिन्न संस्थान एक मंच पर साझेदारी व आपसी सूझबूझ के साथ कार्य करेंगे। इससे नवीन व उपयोगी विषयों में अनुसंधान को नयी ऊर्जा और बल प्राप्त होगा।

इसके तहत जल कुशलता बढ़ाने के प्रयासों पर जोर दिया जाएगा, जिसमें शोध व प्रसार शामिल है।

Per Drop More Crop

The emphasis is on availing maximum crop production from each drop of water by using efficient irrigation methods. Special programmes have been prepared for efficient management of water and conservation agriculture under the Consortia Research Platform of the ICAR. Multidisciplinary research efforts focusing on these two areas will be taken up under private-public mode. These research projects are time-bound and for this purpose a nodal institution is to be identified that will steer the whole project under the guidance of experts. The innovations of this project will be implemented at the farmers' fields through the vast extension network of the ICAR so that more crop per drop of water can be harvested. Considering the future water crisis for agriculture this programme is very significant.

अंतर्राष्ट्रीय सहयोग

माननीय प्रधानमंत्री जी के नेपाल दौरे के दौरान दिए गए आश्वासन के आधार पर कृषि अनुसंधान एवं शिक्षा विभाग ने नेपाल कृषि अनुसंधान संस्थान को समकक्ष विश्वविद्यालय के रूप में विकसित करने के लिए रूपरेखा तैयार की है। यह भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान के मॉडल के अनुसार होगा जो अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त समकक्ष विश्वविद्यालय है। विस्तृत कार्रवाई को नेपाल के पदाधिकारियों के शिष्टमंडल के प्रस्तावित दौरे के दौरान अंतिम रूप दिया जाएगा।

International Co-operation

As per the commitment of Hon'ble Prime Minister during his Nepal visit, a road map has been prepared to develop the Nepal Agricultural Research Institute on the pattern of internationally acclaimed IARI, New Delhi. The institute will help the Agricultural development of Nepal. The detailed action plan will be finalized during the proposed visit of delegation from Nepal.

भाकृअनुप द्वारा ई–प्रसार

भाकृअनुप द्वारा सूचनाओं के त्वरित प्रचार–प्रसार हे कई ई–पोर्टल्स को विकसित किया गया है। इसी प्रकार भाकृअनुप की शोध पत्रिकाओं को ऑनलाइन ओपन एक्सेस मोड में उपलब्ध करवाया जा रहा है।

प्रमुख ई पोर्टलः

राइस नॉलेज मैनेजमेंट पोर्टल (www.rkmp.co.in) : इस पोर्टल के माध्यम से धान से संबंधित अद्यतन जानकारियों और सूचनाओं को आईटी टूल्स एवं मोबाइल टेलीफोनी के जरिये साझा किया जाता है। इसमें स्थानीय भाषाओं में क्षेत्र विशेष की जरूरत के अनुसार जानकारियां प्रदान करने का प्रावधान है।

नॉलेज इन्नोवेशन रिपोजिटरी ऑफ एग्रीकल्चर इन नॉर्थ–इस्ट (www.kiran.nic.in) : देश के उत्तर–पूर्वी हिस्सों में कृषि उत्पादन प्रणाली के सुदृढ़ीकरण तथा विभिन्न संबंधितों के बीच सूचनाओं के आदान–प्रदान के काम को सरल बनाने के उद्देश्य से इस पोर्टल की शुरूआत की गई।

कृषि शिक्षा पर आधारित ई–लर्निंग पोर्टल (ई–कृषि शिक्षा) (www.ecourses.iasri.res.in) : कृषि शिक्षा के प्रसार हेतु केन्द्रीयकृत ई–लर्निंग पोर्टल अध्यापकों एवं छात्रों की सुविधा हेतु संचालित किया जा रहा है। इसमें कृषि, बागवानी, मात्स्यिकी विज्ञान, डेयरी टैक्नोलॉजी, गृह विज्ञान, कृषि इंजीनियरिंग तथा पशु चिकित्सा विज्ञान एवं पशुपालन पर आधारित 425 अंडरग्रेजुएट पाठ्यक्रमों की पाठ्य सामग्री ऑफलाइन प्रयोग हेतु भी उपलब्ध है। इनमें 15000 अध्याय शामिल हैं। अब तक 8,900 से अधिक अध्यापकों एवं छात्रों द्वारा इनके ऑनलाइन प्रयोग हेतु नामांकन करवाया जा चुका है। जबकि 15,900 से अधिक प्रयोगकर्ताओं द्वारा पाठ्य सामग्री को डाउनलोड करने के लिए पंजीकरण करवाया गया है। अब तक 62,000 ई–कोर्स कंटेंट फाइलों को प्रयोगकर्ताओं द्वारा डाउनलोड किया गया है। इस पोर्टल की लोकप्रियता का आकलन इसी बात से लगाया जा सकता है कि अब तक इस पर 4,67,500 हिट दर्ज किए जा चुके हैं। इनके अलावा निम्न अन्य महत्वपूर्ण ई पोर्टल भी उपलब्ध हैं:

अशोका : एडवांस सुपरकम्प्यूटिंग हब फॉर ओमिक्स नॉलेज इन एग्रीकल्चर
ई पब्लिशिंग एंड नॉलेज सिस्टम इन एग्रीकल्चर (www.epub.icar.org.in)
कंसोर्टियम फॉर ई–रिसोर्सेज इन एग्रीकल्चर (www.cera.iari.res.in)
कृषि कोष (www.krishikosh.egranth.ac.in)
एग्रोपीडिया (www.agropedias.iitk.ac.in)
भाकृअनुप वेबसाइट (www.icar.org.in)
भाकृअनुप यूट्यूब (www.youtube.com/user/icarindia)
भाकृअनुप फेसबुक पेज (www.facebook.com/InAgrisearch)
किसान मोबाइल एडवाइजरी
केनइंफो (www.caninfor.nic.in)

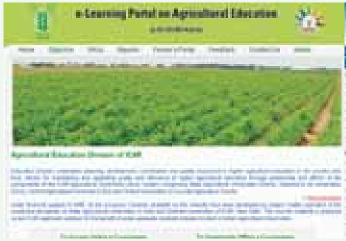

Useful Agricultural Portals

Several e-portals were developed for faster spread of agricultural information. Research journals were made available online in open access.

Rice knowledge management portals: Rice related information has been made available through IT tools and mobiles.Local information in local languages is made available to users.

Knowledge innovations repository of agriculture in north-east: This portal was initiated to exchange the agriculture information in north-east.

E-learning portal based on agriculture education (e-agricultural education): This portal is being managed to provide the information to teachers and students.The programme has 425 courses related to crop, horticulture, dairy technology, fisheries, agricultural engineering, veterinary and animal husbandry, and home science. This has 15,000 chapters. More than 8,900 students and teachers have registered under this programme.

More than 15,900 users have downloaded 62,000 e-course content files. One can understand the popularity of this programme as it recorded more than 4,67,500 hits.

e-pubs: E-publishing and knowledge sharing system in agriculture is hosting 20 research journals in open access. More than nine lakh page-views were recorded on this portal.

आईसीएआर अनुसंधान संस्थान

फसल विज्ञान

1. केन्द्रीय कपास अनुसंधान संस्थान, पी.बी. नं. 2, शंकरनगर पो.ओ., नागपुर–440010 महाराष्ट्र (www.cicr.org.in)
2. केन्द्रीय पटसन एवं समवर्गीय रेशा अनुसंधान संस्थान, बैरकपुर, कोलकाता–700120 पश्चिम बंगाल (www.crijaf.org.in)
3. केन्द्रीय चावल अनुसंधान संस्थान, कटक–753006 ओडिशा (www.crri.nic.in)
4. केन्द्रीय तम्बाकू अनुसंधान संस्थान, भास्कर नगर, राजमुन्दरी–533105 जिला ईस्ट गोदावरी, आंध्र प्रदेश (www.ctri.org.in)
5. मूंगफली अनुसंधान निदेशालय, जूनागढ़–362001, गुजरात (www.nrcg.res.in)
6. मक्का अनुसंधान निदेशालय, पूसा परिसर, नई दिल्ली–110 012 (www.maizeindia.org)
7. तिलहन अनुसंधान निदेशालय, राजेन्द्र नगर, हैदराबाद–500030, आंध्र प्रदेश (www.dor-icar.org.in)
8. तोरिया सरसों अनुसंधान निदेशालय, सेवर, भरतपुर–321303 राजस्थान (www.drmr.res.in)
9. चावल अनुसंधान निदेशालय, राजेन्द्र नगर, हैदराबाद–500030, आंध्र प्रदेश (www.drricar.org)
10. बीज अनुसंधान निदेशालय, मऊ–275101 उत्तर प्रदेश (www.dsr.org.in)
11. ज्वार अनुसंधान निदेशालय, राजेन्द्र नगर, हैदराबाद–500030, आंध्र प्रदेश (www.sorghum.res.in)
12. सोयाबीन अनुसंधान निदेशालय, खांडवा रोड, इंदौर–452001, मध्य प्रदेश (www.nrcsoya.nic.in) (www.dsrindor.org)
13. गेहूं अनुसंधान निदेशालय, कुंजपुरा रोड, करनाल–132001 हरियाणा (www.dwr.in)
14. भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, पूसा, नई दिल्ली–110012 (www.iari.res.in)
15. भारतीय चारागाह एवं चारा अनुसंधान संस्थान, ग्वालियर रोड, झांसी–284003 उत्तर प्रदेश (www.igfri.res.in)
16. भारतीय कृषि जैव तकनीकी संस्थान, रांची, झारखंड (www.ilri.ernet.in)
17. भारतीय दलहन अनुसंधान संस्थान, कल्याणपुर, कानपुर–208024 उत्तर प्रदेश (www.iipr.res.in)
18. भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान, रायबरेली रोड, लखनऊ–226002 उत्तर प्रदेश (www.iisr.nic.in)
19. राष्ट्रीय कृषि प्रमुख कीट ब्यूरो, बेल्लारी रोड, बेंगलुरु–560024 कर्नाटक (www.nbaii.res.in)
20. राष्ट्रीय कृषि उपयोगी सूक्ष्मजीव ब्यूरो, मऊनाथ भंजन–275103 उत्तर प्रदेश (www.nbaim.org.in)
21. राष्ट्रीय पादप आनुवंशिक संसाधन ब्यूरो, पूसा परिसर, नई दिल्ली–110 012 (www.nbpgr.ernet.in)
22. राष्ट्रीय एकीकृत कीट प्रबंधन केन्द्र, एल.बी.एस. बिल्डिंग, पूसा परिसर, नई दिल्ली–110 012 (www.ncipm.org.in)
23. राष्ट्रीय जैविक स्ट्रैस प्रबंधन संस्थान, बरोंदा, रायपुर–493255, छततीसगढ़ (www.nibsm.org.in)
24. राष्ट्रीय पादप जैव प्रौद्योगिकी अनुसंधान केन्द्र, एल.बी.एस. बिल्डिंग, पूसा परिसर, नई दिल्ली–110 012 (www.nrcpb.org)
25. गन्ना प्रजनन संस्थान, कोयंबटूर–641007, तमिलनाडु (www.sugarcane.res.in)
26. विवेकानन्द पर्वतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, अल्मोड़ा–263601, उत्तराखण्ड (www.vpkas.nic.in)
27. सोयाबीन प्रसंस्करण और उपयोगिता प्रायोजना, सीआईएई कैंपस, भोपाल, (मध्य प्रदेश)–462 038

बागवानी

28. केन्द्रीय कृषि अनुसंधान संस्थान, पोर्ट ब्लेयर–744101, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह (www.cari.res.in)
29. केन्द्रीय शुष्क बागवानी संस्थान, बीकानेर–334006 राजस्थान (www.ciash.ernet.in)
30. केन्द्रीय उपोष्ण बागवानी संस्थान, रहमानखेड़ा, लखनऊ–226101, उत्तर प्रदेश (www.cishlko.org)
31. केन्द्रीय समशीतोष्ण बागवानी संस्थान, रंगरेट–190007, जम्मू और कश्मीर (www.cith.org.in)
32. केन्द्रीय रोपण फसल अनुसंधान संस्थान, कासरगोड–671124 केरल (www.cpcri.gov.in)
33. केन्द्रीय आलू अनुसंधान संस्थान, शिमला–171001 हिमाचल प्रदेश (www.cpri.ernet.in)
34. केन्द्रीय कंदीय फसल अनुसंधान संस्थान, तिरुवनंतपुरम–695017 केरल (www.ctcri.org)

35. काजू अनुसंधान निदेशालय, दक्षिण कन्नड़–574202, कर्नाटक (www.cashew.res.in)
36. पुष्प विज्ञान अनुसंधान निदेशालय, आईएआरआई परिसर, पूसा, नई दिल्ली–110012
37. औषधीय एवं संगधीय पादप अनुसंधान निदेशालय, आनन्द–387301, गुजरात (www.dmapr.org.in)
38. मशरूम अनुसंधान निदेशालय, चम्बाघाट, सोलन–173213 हिमाचल प्रदेश (www.nrcmushroom.org)
39. ताड़ अनुसंधान निदेशालय, पेडवेगी–534450 जिला पश्चिम गोदावरी, आंध्र प्रदेश (www.dopr.gov.in)
40. प्याज एवं लहसुन अनुसंधान निदेशालय, राजगुरू नगर, पुणे–410505 महाराष्ट्र (www.dogr.res.in)
41. भारतीय बागवानी अनुसंधान संस्थान, बेंगलुरु–560089 कर्नाटक (www.iihr.ernet.in)
42. भारतीय मसाला अनुसंधान संस्थान, कालीकट–673012 केरल (www.spices.res.in)
43. भारतीय सब्जी अनुसंधान संस्थान, वाराणसी–221305 उत्तर प्रदेश (www.iivr.org.in)
44. राष्ट्रीय केला अनुसंधान केन्द्र, तिरुचिरापल्ली–620102 तमिलनाडु (www.nrcb.res.in)
45. राष्ट्रीय नीबू वर्गीय फसल अनुसंधान केन्द्र, नागपुर–440010 महाराष्ट्र (www.nrccitrus.nic.in)
46. राष्ट्रीय अंगूर अनुसंधान केन्द्र, पुणे–412307 महाराष्ट्र (www.nrcgrapes.nic.in)
47. राष्ट्रीय लीची अनुसंधान केन्द्र, मुज्जफरपुर–842002 बिहार (www.nrclitchi.org)
48. राष्ट्रीय ऑर्किड अनुसंधान केन्द्र, गंगटोक–737106 सिक्किम (www.nrcorchids.nic.in)
49. राष्ट्रीय अनार अनुसंधान केन्द्र, सोलापुर–413255 महाराष्ट्र (www.nrcpomegranate.org)
50. राष्ट्रीय बीजीय मसाला अनुसंधान केन्द्र, अजमेर–305206 राजस्थान (www.nrcss.org.in)

प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन

51. केन्द्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान, जोधपुर–342003 राजस्थान (www.cazri.res.in)
52. केन्द्रीय शुष्क क्षेत्र कृषि अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद–500059 आंध्र प्रदेश (www.crida.in)
53. केन्द्रीय मृदा एवं जल संरक्षण अनुसंधान और प्रशिक्षण संस्थान, देहरादून–248195 उत्तराखण्ड़ (www.cswcrtiweb.org)
54. केन्द्रीय मृदा लवणता अनुसंधान संस्थान, करनाल–132001 हरियाणा (www.cssri.org)
55. जल प्रबंध निदेशालय, भुवनेश्वर–751023 ओडिशा (www.dwm.res.in)
56. खरपतवार विज्ञान अनुसंधान निदेशालय, जबलपुर–482004 मध्य प्रदेश (www.nrcws.org)
57. उत्तर पूर्वी क्षेत्र के लिए भाकृअनुप का अनुसंधान केन्द्र, उमियम–793103 मेघालय (www.icarneh.ernet.in; www.kiran.nic.in)
58. पूर्वी क्षेत्र के लिए भाकृअनुप का अनुसंधान परिसर, पटना–800014 बिहार (www.icarrcer.res.in)
59. गोवा के लिए भाकृअनुप का अनुसंधान परिसर, जिला उत्तरी गोवा–403402 गोवा (www.icargoa.res.in)
60. भारतीय मृदा विज्ञान संस्थान, भोपाल–462038 मध्य प्रदेश (www.iiss.nic.in)
61. राष्ट्रीय मृदा सर्वेक्षण एवं भूमि उपयोग नियोजन ब्यूरो, नागपुर–440033 महाराष्ट्र (www.nbsslup.in)
62. राष्ट्रीय अजैविक स्ट्रैस प्रबंध संस्थान, बारामती–413115 महाराष्ट्र (www.niam.res.in)
63. केन्द्रीय कृषि वानिकी अनुसंधान केन्द्र, झांसी–284003 उत्तर प्रदेश (www.nrcaf.ernet.in)
64. फसल प्रणाली अनुसंधान परियोजना निदेशालय, मेरठ–250110 उत्तर प्रदेश (www.pdfsr.ernet.in)

कृषि अभियांत्रिकी

65. केन्द्रीय कपास प्रौद्योगिकी अनुसंधान संस्थान, मुम्बई–400019 महाराष्ट्र (www.circot.res.in)
66. केन्द्रीय कृषि अभियांत्रिकी संस्थान, भोपाल–462038 मध्य प्रदेश (www.ciae.nic.in)
67. केन्द्रीय फसलोपरांत अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, लुधियाना–141004 पंजाब (www.ciphet.in)

68. भारतीय प्राकृतिक राल एवं गोंद संस्थान, रांची–834010 झारखंड (www.ilri.ernet.in)
69. राष्ट्रीय जूट एवं संबद्ध रेशे प्रौद्योगिकी अनुसंधान संस्थान, कोलकाता–700040 पश्चिम बंगाल (www.nirjaft.res.in)

कृषि विस्तार

70. खेतिहर महिला अनुसंधान निदेशालय, भुवनेश्वर–751003 ओडिशा (www.drwa.org.in)

पशु विज्ञान

71. केन्द्रीय पक्षी अनुसंधान संस्थान, बरेली–243122 उत्तर प्रदेश (www.icar.org.in/cari/index.html)
72. केन्द्रीय भैंस अनुसंधान संस्थान, हिसार–125001 हरियाणा (www.cirb.res.in)
73. केन्द्रीय बकरी अनुसंधान संस्थान, मथुरा–281122 उत्तर प्रदेश (www.cirg.res.in)
74. केन्द्रीय भेड एवं ऊन अनुसंधान संस्थान, अविकानगर–304501 राजस्थान (www.cswri.res.in)
75. भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान, बरेली–243122 उत्तर प्रदेश (www.ivri.nic.in)
76. राष्ट्रीय पशु आनुवंशिक संसाधन ब्यूरो, करनाल–132001 हरियाणा (www.nbagr.res.in)
77. राष्ट्रीय डेरी अनुसंधान संस्थान, करनाल–132001 हरियाणा (www.ndri.res.in)
78. राष्ट्रीय पशु पोषण एवं कार्यिकी संस्थान, बेंगलुरू–560030 कर्नाटक (www.nianp.res.in)
79. राष्ट्रीय अश्ववर्गीय अनुसंधान केन्द्र, हिसार–125001 हरियाणा (www.nrce.nic.in)
80. राष्ट्रीय उष्ट्र अनुसंधान केन्द्र, बीकानेर–334001 राजस्थान (www.nrccamel.res.in)
81. राष्ट्रीय मांस अनुसंधान केन्द्र, हैदराबाद–500092 आंध्र प्रदेश (www.nrcmeat.org.in)
82. राष्ट्रीय मिथुन अनुसंधान केन्द्र, मेडजीफेमा–797106 नगालैंड (www.nrcmithun.res.in)
83. राष्ट्रीय शूकर अनुसंधान केन्द्र, गुआहाटी–781131 असम (www.nrcp.in)
84. राष्ट्रीय याक अनुसंधान केन्द्र, जिला पश्चिम कामेंग–790101 अरूणाचल प्रदेश (www.nrcy.org.in)
85. राष्ट्रीय पशुरोग जानपदिक एवं सूचना विज्ञान संस्थान, बेंगलुरु–560024 कर्नाटक (www.pdadmas.ernet.in)
86. गोपशु परियोजना निदेशालय, मेरठ छावनी–250001 उत्तर प्रदेश (www.pdcattle.org.in)
87. खुरपका एवं मुंहपका रोग परियोजना निदेशालय, कुमाऊ–263138 उत्तराखण्ड (www.pdfmd.ernet.in)
88. कुक्कुट अनुसंधान परियोजना निदेशालय, हैदराबाद–500030 आंध्र प्रदेश (www.pdonpoultry.org)

मात्स्यिकी

89. केन्द्रीय अंतःस्थलीय मात्स्यिकी अनुसंधान संस्थान, बैरकपुर, कोलकाता–700120 पश्चिम बंगाल (www.cifri.ernet.in)
90. केन्द्रीय खाराजल जलजीव पालन संस्थान, चेन्नई–600028 तमिलनाडु (www.ciba.res.in)
91. केन्द्रीय मात्स्यिकी शिक्षा संस्थान, मुम्बई–400061 महाराष्ट्र (www.cife.edu.in)
92. केन्द्रीय मात्स्यिकी प्रौद्योगिकी संस्थान, कोच्चि–682029 जिला एर्नाकुलम, केरल (www.cift.res.in)
93. केन्द्रीय ताजाजल जलजीव पालन संस्थान, भुवनेश्वर–751002 जिला पुरी, ओडिशा (www.cifa.res.in)
94. केन्द्रीय समुद्री मात्स्यिकी अनुसंधान संस्थान, उत्तरी एर्नाकुलम, कोच्चि–682018 केरल (www.cmfri.org.in)
95. शीतजल मात्स्यिकी अनुसंधान निदेशालय, भीमताल–263136 उत्तराखण्ड (www.dcfr.res.in)
96. राष्ट्रीय मत्स्य आनुवंशिक संसाधन ब्यूरो, लखनऊ–226002 उत्तर प्रदेश (www.nbfgr.res.in)

प्रबंध एवं सांख्यिकी

97. कृषि ज्ञान प्रबंध निदेशालय, पूसा, नई दिल्ली–110012 (www.icar.org.in)
98. भारतीय कृषि सांख्यिकी अनुसंधान संस्थान, पूसा, नई दिल्ली–110012 (www.iasri.res.in)
99. राष्ट्रीय कृषि अनुसंधान प्रबंध अकादमी, हैदराबाद–500030, आंध्र प्रदेश (www.naarm.ernet.in)
100. राष्ट्रीय कृषि आर्थिकी एवं नीति अनुसंधान केन्द्र, पूसा, नई दिल्ली–110012 (www.ncap.res.in)

ICAR Research Institutes

CROP SCIENCES

1. Central Institute for Cotton Research P.B.No.2, Shankarnagar P.O., Nagpur-440010 Maharashtra (www.cicr.org.in)
2. Central Research Institute for Jute & Allied Fibres, Barrackpore, Kolkata-700120 West Bengal (www.crijaf.org.in)
3. Central Rice Research Institute, Cuttack-753006 Odisha (www.crri.nic.in)
4. Central Tobacco Research Institute, Bhaskar Nagar, Rajamundry-533105 East Godavari Dist., Andhra Pradesh (www.ctri.org.in)
5. Directorate of Groundnut Research, Ivenagar Road, P.B.No.5, Junagadh-362001 Gujarat (www.nrcg.res.in)
6. Directorate of Maize Research, Pusa Campus, New Delhi-110012 (www.maizeindia.org)
7. Directorate of Oilseeds Research, Rajendranagar, Hyderabad-500030, Andhra Pradesh (www.dor-icar.org.in)
8. Directorate of Rapeseed–Mustard Research, Sewar, Bharatpur-321303, Rajasthan (www.drmr.res.in)
9. Directorate of Rice Research, Rajendranagar, Hyderabad -500030 Andhra Pradesh (www.drricar.org)
10. Directorate of Seed Research, Village Kushmaur, P.O. NBAIM, Mau-275101 Uttar Pradesh (www.dsr.org.in)
11. Directorate of Sorghum Research, Rajendranagar, Hyderabad-500 030 Andhra Pradesh (www.sorghum.res.in)
12. Directorate of Soybean Research, Near IT Park, Khandwa Road, Indore-452001, Madhya Pradesh (www.nrcsoya.nic.in)(www.dsrindore.org)
13. Directorate of Wheat Research P.B. No. 158, Kunjpura Road, Karnal 132001 Haryana (www.dwr.in)
14. Indian Agricultural Research Institute, Pusa-110012, New Delhi (www.iari.res.in)
15. Indian Grassland & Fodder Research Institute, Near Pahuj Dam, Gwalior Road, Jhansi-284 003 Uttar Pradesh (www.igfri.res.in)

16 Indian Institute of Agricultural Biotechnology, Garhkhatanga, Ranchi, Jharkhand (http://www.ilri.ernet.in/~iiab)

17. Indian Institute of Pulses Research, Kalyanpur, Kanpur-208024 Uttar Pradesh (www.iipr.res.in)
18. Indian Institute of Sugarcane Research, Raebareli Road, P.O. Dilkusha, Lucknow-226002, Uttar Pradesh (www.iisr.nic.in)
19. National Bureau of Agriculturally Important Insects, P.B.No.2491, H.A.Farm Post, Hebbal, Bellary Road, Bengaluru-560024, Karnataka (www.nbaii.res.in)
20. National Bureau of Agriculturally Important Microorganisms, Kushmaur, P.O. Kaithauli, Mau Nath Bhanjan-275103 Uttar Pradesh (www.nbaim.org.in)
21. National Bureau of Plant Genetic Resources, Pusa Campus- New Delhi 110012 (www.nbpgr.ernet.in)
22. National Centre for Integrated Pest Management, LBS Bldg, Pusa Campus, New Delhi-110012 (www.ncipm.org.in)
23. National Institute of Biotic Stress Management, Baronda Farm, Bardoli PO, Tilda Tehsil, Raipur 493225 Chhattisgarh Admn. Office: DSW Office, 1st Floor, IGKV Campus, Krishak Nagar, Raipur-492012 Chhatisgarh (www.nibsm.org.in)
24. National Research Centre on Plant Biotechnology, LBS Bldg., Pusa Campus, New Delhi-110012 (www.nrcpb.org)
25. Sugarcane Breeding Institute, Coimbatore-641007, Tamil Nadu (www.sugarcane.res.in)
26. Vivekanand Parvatiya Krishi Anusandhan Sansthan, Almora-263601 Uttarakhand (www.vpkas.nic.in)
27. Soybean Processing and Utilization Centre, CIAE Campus, Nabi Bagh, Berasia Road, Bhopal (Madhya Pradesh) 462 038

HORTICULTURE

28. Central Agricultural Research Institute, PB No. 181, Port Blair-744101, Andaman & Nicobar Islands (cari.res.in)
29. Central Institute for Arid Horticulture, 10^{th} Milestone, Sri Ganganagar Highway, Beechwal Industrial, Bikaner-334006 Rajasthan (www.ciah.ernet.in)
30. Central Institute for Subtropical Horticulture, Rehmankhera, PO Kakori, Lucknow-226101 Uttar Pradesh (www.cishlko.org)
31. Central Institute of Temperate Horticulture, Old Air Field, Rangreth-190007, J&K (www.cith.org.in)
32. Central Plantation Crops Research Institute, Kudlu P.O., Kasaragod-671124, Kerala (www.cpcri.gov.in)
33. Central Potato Research Institute, Shimla-171001, Himachal Pradesh (http://cpri.ernet.in)
34. Central Tuber Crops Research Institute, Sreekariyam P.O., Thiruvananthapuram-695017, Kerala (www.ctcri.org)

35. Directorate of Cashew Research, Darbe, P.O. Puttur, Dakshina Kannada-574202 Karnataka (www.cashew.res.in)
36. Directorate of Floricultural Research, IARI Campus, Pusa, New Delhi 110 012
37. Directorate of Medicinal & Aromatic Plants Research, Boriavi, Anand-387310 Gujarat (www.dmapr.org.in)
38. Directorate of Mushroom Research, Chambaghat, Solan-173213 Himachal Pradesh (www.nrcmushroom.org)
39. Directorate of Oil Palm Research, Near Jawahar Navodaya Vidyalaya, Pedavegi -534 450 West Godavari Dist. Andhra Pradesh (http://dopr.gov.in)
40. Directorate of Onion and Garlic Research, Pune-Nasik Highway, Rajgurunagar, Pune-410505, Maharashtra (www.dogr.res.in)
41. Indian Institute of Horticultural Research, Hassaraghatta Lake Post, Bengaluru-560 089 Karnataka (www.iihr.ernet.in)
42. Indian Institute of Spices Research, Marikunnu P.O., Calicut-673012, Kerala (www.spices.res.in)
43. Indian Institute of Vegetable Research, P.B. No 01, PO Jakhini (Shahanshahpur), Varanasi-221305, Uttar Pradesh (www.iivr.org.in)
44. National Research Centre for Banana, Thogamalai Main Road, Thayanur Post, Tiruchirapalli-620102, Tamil Nadu (www.nrcb.res.in)
45. National Research Centre for Citrus, Post Box No.464, Shankar Nagar P.O., Nagpur- 440 010 (www.nrccitrus.nic.in)
46. National Research Centre for Grapes, PB No.3, Manjri Farm Post, Solapur Road, Pune-412307, Maharashtra (http://nrcgrapes.nic.in)
47. National Research Centre for Litchi, Mushahari Farm, Mushahari, Muzaffarpur-842002, Bihar (http://nrclitchi.org)
48. National Research Centre for Orchids, Pakyong, Gangtok-737106, East-Sikkim, Sikkim (www.nrcorchids.nic.in)
49. National Research Centre on Pomegranate, NH-65, Solapur-Pune Highway, Kegaon, Solapur- 413 255 Maharashtra (www.nrcpomegranate.org)
50. NRC on Seed Spices, Tabiji Farm, Ajmer-305206 Rajasthan (www.nrcss.org.in)

NATURAL RESOURCE MANAGEMENT

51. Central Arid Zone Research Institute, Jodhpur 342003, Rajasthan (www.cazri.res.in)
52. Central Research Institute for Dryland Agriculture, Santoshnagar, PO Saidabad, Hyderabad 500059 Andhra Pradesh (www.crida.in)
53. Central Soil & Water Conservation Research & Training Institute, 218, Kaulagarh Road, Dehradun -248195 Uttarakhand (www.cswcrtiweb.org)
54. Central Soil Salinity Research Institute, Zarifa Farm, Kachhwa Road, Karnal 132001 Haryana (www.cssri.org)
55. Directorate of Water Management, PO South Eastern Railway Project Complex, Opposite Rail Vihar, Bhubaneswar-751023 Odisha (http://www.dwm.res.in)
56. Directorate of Weed Science Research, Maharajpur, Adhartal, Jabalpur-482 004 Madhya Pradesh (www.nrcws.org)
57. ICAR Res. Complex for NEH Region, Umroi Road, Umiam-793103, Meghalaya (www.icarneh.ernet.in;www.kiran.nic.in)
58. ICAR Research Complex for Eastern Region, ICAR Parisar, P.O. Bihar Veterinary College, Patna-800014 Bihar (www.icarrcer.res.in)
59. ICAR Research Complex for Goa, Ela, Old Goa, Distt. North Goa, Goa-403402 Goa (www.icargoa.res.in)
60. Indian Institute of Soil Science, Nabi Bagh, Berasia Road, Bhopal-462038 Madhya Pradesh (www.iiss.nic.in)
61. National Bureau of Soil Survey & Land Use Planning, Amravati Road, Shankar Nagar P.O. Nagpur-440033 Maharashtra (www.nbsslup.in)
62. National Institute of Abiotic Stress Management, Malegaon, Baramati-413115, Pune, Maharashtra (www.niam.res.in)
63. National Research Centre for Agroforestry, Jhansi-Gwalior Road, Near Pahuj Dam, Jhansi-284003 Uttar Pradesh (www.nrcaf.ernet.in)
64. Project Directorate for Farming Systems Research, Modipuram, Meerut-250110 Uttar Pradesh (www.pdfsr.ernet.in)

AGRICULTURAL ENGINEERING

65. Central Institute for Research on Cotton Technology, PB No 16640, Adenwala Road, Mantunga, Mumbai-400019 Maharashtra (www.circot.res.in)
66. Central Institute of Agricultural Engineering, Nabi Bagh, Berasia Road, Bhopal-462038 Madhya Pradesh (www.ciae.nic.in)
67. Central Institute of Post Harvest Engineering & Technology, Post Office PAU, Behind Radha Swami Satsang Dera, Humbran Road, Ludhiana-141004 Punjab (www.ciphet.in)

68. Indian Institute of Natural Resins and Gums, Namkum, Ranchi-834010 Jharkhand (http://ilri.ernet.in)
69. National Institute of Research on Jute & Allied Fibre Technology, 12, Regent Park, Kolkata-700 040 West Bengal (www.nirjaft.res.in)

AGRICULTURAL EXTENSION

70. Directorate of Research on Women in Agriculture, Plot No.50-51, Mauza-Jokalandi, P.O. Baramunda, Bhubaneswar-751 003 Odisha (www.drwa.org.in)

ANIMAL SCIENCES

71. Central Avian Research Institute, Izatnagar, Bareilly-243122, Uttar Pradesh (www.icar.org.in/cari/index.html)
72. Central Institute for Research on Buffaloes, Sirsa Road, Hisar-125001 Haryana (www.cirb.res.in)
73. Central Institute for Research on Goats, Makhdoom, PO Farah, Mathura-281122 Uttar Pradesh (www.cirg.res.in)
74. Central Sheep & Wool Research Institute, Avikanagar, via Jaipur-304501, Rajasthan (www.cswri.res.in)
75. Indian Veterinary Research Institute, Izatnagar, Bareilly-243122, Uttar Pradesh (www.ivri.nic.in)
76. National Bureau of Animal Genetic Resources, P.B.No.129, G.T. Road Bye-Pass, Near Basant Vihar, Karnal-132001 Haryana (www.nbagr.res.in)
77. National Dairy Research Institute, Karnal-132001 Haryana (www.ndri.res.in)
78. National Institute of Animal Nutrition & Physiology, Hosur Main Road, Adugodi, Bengaluru-560030 Karnataka (www.nianp.res.in)
79. National Research Centre for Equines, Hisar-125001. Haryana (http://www.nrce.nic.in)
80. National Research Centre on Camel, P.B. No.07, Jorbeer, Bikaner-334001 Rajasthan (www.nrccamel.res.in)
81. National Research Centre on Meat, Chengicherla, P.B.No.19, Boduppal P.O., Hyderabad-500092, Andhra Pradesh (www.nrcmeat.org.in)
82. National Research Centre on Mithun, Jharnapani, Medziphema-797106 Nagaland (www.nrcmithun.res.in)
83. National Research Centre on Pig, Rani, Guwahati-781131 Assam (www.nrcp.in)
84. National Research Centre on Yak, Dirang, West Kameng Dist.-790101 Arunachal Pradesh (www.nrcy.org.in)
85. National Institute of Veterinary Epidemiology and Disease Informatics (NIVEDI), Hebbal, Bengaluru-560024 Karnataka (www.pdadmas.ernet.in)
86. Project Directorate on Cattle, PB No.17, Grass Farm Road, Meerut Cantt-250001 Uttar Pradesh (www.pdcattle.org.in)
87. Project Directorate on Foot and Mouth Disease, IVRI Campus, Mukteswar, Kumaon-263138 Uttarakhand (www.pdfmd.ernet.in)
88. Project Directorate of Poultry Research, Rajendranagar, Hyderabad-500030 Andhra Pradesh (www.pdonpoultry.org)

FISHERIES

89. Central Inland Fisheries Research Institute, Barrackpore, Kolkata-700120 West Bengal (www.cifri.ernet.in)
90. Central Institute of Brackishwater Aquaculture, 75, Santhome High Road, RA Puram, Chennai-600028 Tamil Nadu (www.ciba.res.in)
91. Central Institute of Fisheries Education, Panch Marg, Off Yari Road, Versova, Andheri (West), Mumbai-400061 Maharashtra (www.cife.edu.in)
92. Central Institute of Fisheries Technology, Willingdon Island, Matsyapuri PO, Cochin-682029, Ernakulam Distt Kerala (www.cift.res.in)
93. Central Institute of Freshwater Aquaculture, Kausalyaganga, Bhubaneswar-751002, Distt Puri, Odisha (www.cifa.in)
94. Central Marine Fisheries Research Institute, P.B.No.1603, Ernakulam North P.O. Kochi-682018 Kerala (www.cmfri.org.in)
95. Directorate of Coldwater Fisheries Research, Anusandhan Bhavan, Industrial Area, Bhimtal-263136 Uttarakhand (www.dcfr.res.in)
96. National Bureau of Fish Genetic Resources, Canal Ring Road, Near Telibagh, P.O. Dilkusha, Lucknow-226002 Uttar Pradesh (www.nbfgr.res.in)

MANAGEMENT & STATISTICS

97. Directorate of Knowledge Management in Agriculture, KAB-I, Pusa, New Delhi-110012 (www.icar.org.in)
98. Indian Agricultural Statistics Research Institute, Library Avenue, Pusa, New Delhi-110012 (www.iasri.res.in)
99. National Academy of Agricultural Research Management, Rajendranagar Hyderabad-500030, Andhra Pradesh (www.naarm.ernet.in)
100. National Centre for Agricultural Economics & Policy Research (NCAP), DPS Marg, Pusa, New Delhi-110012 (www.ncap.res.in)

कृषि विश्वविद्यालय

1. आचार्य एनजी रंगा कृषि विश्वविद्यालय, राजेन्द्र नगर, हैदराबाद–500030 आंध्र प्रदेश (www.angrau.net)
2. कृषि विश्वविद्यालय जोधपुर, मंदोर, जोधपुर–342304
3. कृषि विश्वविद्यालय कोटा, बोरखेरा, कोटा–324001
4. आनन्द कृषि विश्वविद्यालय, आनन्द–388110 गुजरात (www.aau.in)
5. असम कृषि विश्वविद्यालय, जोरहाट–785013 असम (www.aau.ac.in)
6. बिधान चंद्र कृषि विश्वविद्यालय, मोहनपुर, नादिया–741252 पश्चिम बंगाल (www.bckv.edu.in)
7. बिहार कृषि विश्वविद्यालय, साबोर, भागलपुर–813210 बिहार (www.bausabour.ac.in)
8. बिरसा कृषि विश्वविद्यालय, कांके, रांची–834006 झारखंड (www.baujharkhand.org)
9. केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय, इरोइसेम्बा, इम्फाल–795004 मणिपुर (www.cau.org.in)
10. चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, कानपुर–208002 उत्तर प्रदेश (www.csauk.ac.in)
11. चौधरी चरणसिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, हरियाणा (www.hau.ernet.in)
12. सीएसके हिमाचल प्रदेश कृषि विश्वविद्यालय, पालमपुर–176062 हिमाचल प्रदेश (www.hillagric.ac.in)
13. छत्तीसगढ़ कामधेनु विश्वविद्यालय, अंजोरा, दुर्ग–491001 छत्तीसगढ़ (www.egkv.ac.in)
14. डॉ. बाबासाहेब सावंत कोंकण कृषि विद्यापीठ, ढपोली, रत्नागिरी–415712 महाराष्ट्र (www.dbskkv.org)
15. डॉ. पंजाबराव देशमुख कृषि विद्यापीठ, पी.ओ. कृषि नगर, अकोला–444104 महाराष्ट्र (www.pdkv.ac.in)
16. डॉ. वाई.एस. परमार बागवानी एवं वानिकी विश्वविद्यालय, नौनी–173230 हिमाचल प्रदेश (www.yspuniversity.ac.in)
17. डॉ. वाई.एस.आर. बागवानी विश्वविद्यालय, प्रशासनिक कार्यालय, वेंकटारामन्नागुडम, पो.बा. 7, पश्चिम गोदावरी जिला, टेडेपालीगुडम–534101 आंध्र प्रदेश (www.drysrhu.edu.in)

18. गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, पंतनगर, उधमसिंह नगर–263145 उत्तराखण्ड़ (www.gbpuat.ac.in)
19. गुरूअंगद देव पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय, फिरोजपुर, लुधियाना–141004 पंजाब (www.gadvasu.in)
20. इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, कृषक नगर, रायपुर–492006 छत्तीसगढ़ (www.igau.edu.in)
21. जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय, कृषि नगर, अधारताल, जबलपुर–482004 मध्य प्रदेश (www.jnkvv.nic.in)
22. जूनागढ़ कृषि विश्वविद्यालय, वनथली रोड़, जूनागढ़–362001 गुजरात (www.jau.in)
23. कर्नाटक पशु चिकित्सा, पशु एवं मात्स्यिकी विज्ञान विश्वविद्यालय, नन्दीनगर, बीदर–585401 कर्नाटक (www.kvafsu.kar.nic.in)
24. केरल कृषि विश्वविद्यालय, वेलानिक्कारा, थ्रिसूर–680656 केरल (www.kau.edu)
25. केरल मात्स्यिकी एवं समुद्री अध्ययन विश्वविद्यालय, पप्पनगढ़, कोच्चि–682506 केरल (www.kufos.ac.in)
26. केरल पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय, पूकोडे लक्कीडी वायनाड–673576 केरल (www.kvasu.ac.in)
27. लाला लाजपत राय पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय, हिसार, हरियाणा (www.llruvas.edu.in)
28. महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, उदयपुर–313001 राजस्थान (www.mpuat.ac.in)
29. महाराष्ट्र पशु एवं मात्स्यिकी विज्ञान विश्वविद्यालय, फुटाला रोड, तेलंगखेड़ी, नागपुर–440001 महाराष्ट्र (www.mafsu.in)
30. महात्मा फुले कृषि विद्यापीठ, राहुरी, ताल राहुरी, जिला अहमदनगर–413722 महाराष्ट्र (www.mpkv.mah.nic.in)
31. मान्यवर श्री कांशीराम जी कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, चिल्ला रोड, बांदा–210001 उत्तर प्रदेश (www.mskjuat.edu.in)
32. नानाजी देशमुख पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय, जबलपुर, मध्य प्रदेश (www.mppcvv.org)
33. नरेन्द्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, कुमारगंज, फैजाबाद–224229 उत्तर प्रदेश (www.nduat.ernet.in)
34. नवसारी कृषि विश्वविद्यालय, इरु चार रास्ता, नवसारी 396450 गुजरात (www.nau.in)

35. उड़ीसा कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, भुबनेश्वर–751003 ओडिशा (www.ouat.ac.in)
36. पंजाब कृषि विश्वविद्यालय, फिरोजपुर रोड, लुधियाना–141004 पंजाब (www.pau.edu)
37. राजस्थान पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय, विजय भवन प्लेस कॉम्प्लेक्स (पंड़ित दीनदयाल सर्कल) बीकानेर–334001 राजस्थान (www.rajuvas.org)
38. राजेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, पूसा, समस्तीपुर–848125 बिहार (www.pusavarsity.org.in)
39. राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय, रेसकोर्स रोड, ग्वालियर–474002 मध्य प्रदेश (www.rvskvv.net)
40. रानी लक्ष्मीबाई केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय, झांसी उत्तर प्रदेश
41. सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, रूड़की रोड, मोदीपुरम, मेरठ–250110 उत्तर प्रदेश (www.svbpmeerut.ac.in)
42. सरदार कृषि नगर–दांतीवाड़ा कृषि विश्वविद्यालय, सरदार कृषि नगर, दांतीवाड़ा–385506 गुजरात (www.sdau.edu.in)
43. शेरे कश्मीर कृषि विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, जम्मू प्रशासनिक भवन, जम्मू–180009 जम्मू एवं कश्मीर (www.skuast.org)
44. शेरे कश्मीर कृषि विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, कश्मीर, शालीमार परिसर, श्रीनगर–190025 जम्मू एवं कश्मीर (www.skuastkashmir.ac.in)
45. श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर–303329 (www.sknau.ac.in)
46. श्री वेंकटेश्वर पशु चिकित्सा विश्वविद्यालय, डॉ. वाई.एस.आर. भवन, तिरूपति–517502 आंध्र प्रदेश (www.svvu.edu.in)
47. स्वामी केशवानन्द राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय, बीचवाल, बीकानेर–334006 राजस्थान (www.raubikaner.org)
48. तमिलनाडु कृषि विश्वविद्यालय, लावले रोड, कोयंबटूर–641003 तमिलनाडु (www.tnau.ac.in)
49. तमिलनाडु मात्स्यिकी विश्वविद्यालय, बीच रोड, नागापट्टीना–611001 तमिलनाडु
50. तमिलनाडु पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय, माधवराम मिल्क कॉलोनी कैम्पस, माधवराम, चेन्नई–600051 तमिलनाडु (www.tanuvas.ac.in)
51. कृषि विज्ञान विश्वविद्यालय, येट्टीनागुड्डा कैम्पस, कृषि नगर, धारवाड़–580005 कर्नाटक (www.uasd.edu)
52. कृषि विज्ञान विश्वविद्यालय, जीकेवीके कैम्पस, बेंगलुरू–560065 कर्नाटक (www.uasbangalore.edu.in)
53. कृषि एवं बागवानी विज्ञान विश्वविद्यालय, नं. 126, नविले शिमोगा–577204 कर्नाटक
54. बागवानी विज्ञान विश्वविद्यालय, बागलकोट–587103 कर्नाटक (www.uhsbagalkot.edu.in)
55. कृषि विज्ञान विश्वविद्यालय, पो.बा.–329, रायचूर–584102, कर्नाटक (www.uasraichur.etu.in)
56. उत्तर प्रदेश दीन दयाल उपाध्याय पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय एवं गौ अनुसंधान संस्थान, मथुरा, उत्तर प्रदेश (www.upvetuniv.edu.in)
57. उत्तराखण्ड बागवानी एवं वानिकी विश्वविद्यालय, भारसर–246123, जिला–पौड़ी गढवाल, उत्तराखण्ड (www.uuhf.ac.in)
58. उत्तर बंग कृषि विश्वविद्यालय, पी.ओ.–पुंदबाड़ी, कूच, बिहार–736165, पश्चिम बंगाल (www.ubkv.org; www.ubkv.ac.in)
59. वंसतराव नाइक मराठवाड़ा कृषि विद्यापीठ, परभणी–431402, महाराष्ट्र (www.mkv2.mah.nic.in/)
60. पश्चिम बंगाल पशु एवं मत्स्य विज्ञान विश्वविद्यालय, 37 और 68 केबी सरानी, कोलकाता–700037, पश्चिम बंगाल (http://wbuafscl.ac.in)
61. कामधेनु विश्वविद्यालय, अमरेली (गुजरात)
62. प्रो. जयशंकर तेलंगाना राज्य कृषि विश्वविद्यालय, राजेन्द्र नगर, हैदराबाद

समतुल्य विश्वविद्यालय

63. भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, पूसा, नई दिल्ली–110012
64. केन्द्रीय मात्स्यिकी शिक्षा संस्थान, पंच मार्ग, यारी रोड, वरसोवा, अंधेरी (पश्चिम), मुंबई (महाराष्ट्र) 400 061
65. भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान, इज्जतनगर, बरेली (उत्तर प्रदेश) 243 122
66. साम हिगिनबॉटम कृषि प्रौद्योगिकी एवं विज्ञान संस्थान (पूर्व इलाहाबाद कृषि संस्थान) इलाहाबाद (उत्तर प्रदेश) 211 007
67. राष्ट्रीय डेरी अनुसंधान संस्थान, करनाल (हरियाणा) 132 001

कृषि संकाय सहित विश्वविद्यालय

1. अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़–202002, उत्तर प्रदेश (www.amu.ac.in)
2. बनारस हिन्दु विश्वविद्यालय, वाराणसी–221005, उत्तर प्रदेश (www.bhu.ac.in)
3. नगालैंड विश्वविद्यालय, लुमामी (नगालैंड) 798 627
4. विश्व भारती विश्वविद्यालय, शांति निकेतन–731235, बीरभूम जिला, पश्चिम बंगाल (www.visva-bharati.ac.in)

Agricultural Universities

1. Acharya NG Ranga Agricultural University, Rajendranagar, Hyderabad-500030 Andhra Pradesh (www.angrau.net)
2. Agriculture University Jodhpur, Mandor, Jodhpur-342304
3. Agriculture University Kota, Borkhera, Kota-324001
4. Anand Agricultural University, Anand-388110 Gujarat (www.aau.in)
5. Assam Agricultural University, Jorhat-785013 Asom (www.aau.ac.in)
6. Bidhan Chandra Krishi Viswavidyalaya, P.O. Krishi Viswavidyalaya, Mohanpur, Nadia-741252 West Bengal (www.bckv.edu.in)
7. Bihar Agricultural University, Sabour, Bhagalpur- 813210 Bihar (www.bausabour.ac.in)
8. Birsa Agricultural University, Kanke, Ranchi-834006 Jharkhand (www.baujharkhand.org)
9. Central Agricultural University, Iroisemba, Imphal-795004, Manipur (www.cau.org.in)
10. Chandra Shekar Azad University of Agriculture & Technology, Kanpur-208002 Uttar Pradesh (www.csauk.ac.in)
11. Chaudhary Charan Singh Haryana Agricultural University, Hisar, Haryana (www.hau.ernet.in)
12. CSK Himachal Pradesh Krishi Vishvavidyalaya, Palampur-176062 Himachal Pradesh (www.hillagric.ac.in)
13. Chhattisgarh Kamdhenu Vishwavidyalaya, Anjora, Durg-491001 Chhattisgarh (www.egkv.ac.in)
14. Dr Balasaheb Sawant Konkan Krishi Vidyapeeth, Dapoli, Ratnagiri-415712 Maharashtra (www.dbskkv.org)
15. Dr Panjabrao Deshmukh Krishi Vidyapeeth, P.O. Krishi Nagar, Akola-444104 Maharashtra (www.pdkv.ac.in)
16. Dr YS Parmar Univ of Horticulture & Forestry, Nauni, Solan-173230 Himachal Pradesh (www.yspuniversity.ac.in)
17. Dr YSR Horticultural University,Adminstrative office, Venkataramannagudem, PB No. 7, West Godavari Dist., Tadepalligudem - 534101 Andhra Pradesh (www.drysrhu.edu.in)
18. Govind Ballabh Pant University of Agriculture & Technology, Pantnagar, Udham Singh Nagar-263145 Uttrakhand (www.gbpuat.ac.in)
19. Guru Angad Dev Veterinary and Animal Sciences University, Firozepur Road, Ludhiana-141004 Punjab (www.gadvasu.in)
20. Indira Gandhi Krishi Vishwavidyalaya, Krishak Nagar, Raipur-492006 Chhattisgarh (www.igau.edu.in)
21. Jawaharlal Nehru Krishi Viswa Vidyalaya, Krishi Nagar, Adhartal, Jabalpur-482004 Madhya Pradesh (www.jnkvv.nic.in)
22. Junagadh Agricultural University, Near Motibagh, Vanthali Road, Junagadh 362001 Gujarat (www.jau.in)
23. Karnataka Veterinary, Animal & Fisheries Sciences University, PB No 6, Nandinagar, Bidar-585401 Karnataka (www.kvafsu.kar.nic.in)
24. Kerala Agricultural University, PO KAU, Vellanikkara, Thrissur-680656 Kerala (www.kau.edu)
25. Kerala University of Fisheries & Ocean Studies, Papangad P.O., Kochi-682506 Kerala (www.kufos.ac.in)
26. Kerala Veterinary and Animal Sciences University, Pookode, Lakkidi P.O., Wayanand-673576 Kerala (http://kvasu.ac.in)
27. Lala Lajpat Rai University of Veterinary & Animal Sciences, Hisar, Haryana (www.llruvas.edu.in)
28. Maharana Pratap Univ. of Agriculture & Technology, Udaipur-313001 Rajasthan (www.mpuat.ac.in)
29. Maharashtra Animal & Fishery Sciences University, Futala Road,Telangkhedi, Nagpur-440001 Maharashtra (www.mafsu.in)
30. Mahatma Phule Krishi Vidyapeeth, Rahuri, Tal Rahuri, Dist. Ahmednagar-413722 Maharashtra (http://mpkv.mah.nic.in)
31. Manyavar Shri Kanshiram Ji University of Agriculture and Technology, Chilla Road, Banda-210001 Uttar Pradesh (www.mskjuat.edu.in)
32. Nanaji Deshmukh Pashu Chikitsa Vigyan Vishvavidyalaya, Jabalpur Madhya Pradesh (www.mppcvv.org)
33. Narendra Deva University of Agriculture & Technology, Kumarganj, Faizabad-224229 Uttar Pradesh (www.nduat.ernet.in)

34. Navsari Agricultural University, Eru Char Rasta, Navsari-396450 Gujarat (www.nau.in)
35. Orissa Univ of Agriculture & Technology, Bhubaneswar 751003 Odisha (www.ouat.ac.in)
36. Punjab Agricultural University, Firozepur Road, Ludhiana-141004 Punjab (www.pau.edu)
37. Rajasthan Univ. of Veterinary & Animal Sciences, Bijey Bhavan Place Complex (Pt Deen Dayal circle) Bikaner 334001 Rajasthan (www.rajuvas.org)
38. Rajendra Agricultural University, Pusa, Samastipur-848125 Bihar (www.pusavarsity.org.in)
39. Rajmata Vijayaraje Scindia Krishi Vishvwa Vidhyalaya, Opposite Mela Ground,Race Course Road, Gwalior-474002 Madhya pradesh (www.rvskvv.net)
40. Rani Laxmibai Central Agricultural University, Jhansi, Uttar Pradesh.
41. Sardar Ballabh Bhai Patel Univ. of Agricutlure & Technology Roorkee Road, Modipuram, Meerut-250110 Uttar Pradesh (http://svbpmeerut.ac.in)
42. Sardarkrushinagar-Dantiwada Agricultural University, Sardarkrushinagar, Dantiwada-385506 Gujarat (www.sdau.edu.in)
43. Sher-e-Kashmir Univ of Agricultural Sciences & Technology of Jammu, Adminstrative Bldg, Main Campus, Chatha, Jammu-180009 (J&K) (www.skuast.org)
44. Sher-e-Kashmir Univ of Agricultural Sciences & Technology of Kashmir, Shalimar Campus, Srinagar 190025 Jammu & Kashmir (www.skuastkashmir.ac.in)
45. Sri Karan Narendra Agriculture University, Jobner-303329 (http://sknau.ac.in)
46. Sri Venkateswara Veterinary University, Administrative Office, Dr YSR Bhawan, Tirupati-517502, Andhra Pradesh (www.svvu.edu.in)
47. Swami Keshwanand Rajasthan Agricultural University, Beechwal, Bikaner-334006 Rajasthan (www.raubikaner.org)
48. Tamil Nadu Agricultural University, Lawley Road, Coimbatore-641003 Tamil Nadu (www.tnau.ac.in)
49. Tamil Nadu Fisheries University, First Line Beach Road, Nagapattinam-611001, Tamil Nadu
50. Tamil Nadu Veterinary & Animal Sciences University, Madhavaram Milk Colony Campus, Madhavaram, Chennai- 600051 Tamil Nadu (www.tanuvas.ac.in)
51. University of Agricultural Sciences, Yettinagudda Campus, Krishi Nagar, Dharwad-580005 Karnataka (www.uasd.edu)
52. University of Agricultural Sciences, GKVK Campus, Bangalore-560065 Karnataka (www.uasbangalore.edu.in)
53. University of Agricultural and Horticultural Sciences, No.126, Navile, Shimoga-577204 Karnataka
54. University of Horticultural Sciences, Bagalkot-587103 Karnataka (www.uhsbagalkot.edu.in)
55. University of Agricultural Sciences, PB 329, Raichur 584102 Karnataka (www.uasraichur.edu.in)
56. UP Pandit Deen Dayal Upadhaya Pashu Chikitsa Vigyan Vishwa Vidhyalaya Evam Go Anusandhan Sansthan, Mathura, Uttar Pradesh (www.upvetuniv.edu.in)
57. Uttarakhand University of Horticulture and Forestry, Bharsar-246123 Dist. Pauri Garhwal, Uttarakhand (www.uuhf.ac.in)
58. Uttar Banga Krishi Viswavidyalaya, PO Pundbari, Cooch Behar-736165 West Bengal (www.ubkv.org; www.ubkv.ac.in)
59. Vasantrao Naik Marathwada Krishi Vidapeeth, Prabhani-431402 Maharashtra (www.mkv2.mah.nic.in/)
60. West Bengal University of Animal & Fishery Sciences, 37 & 68 KB Sarani, Kolkata-700037 West Bengal (http://wbuafscl.ac.in)
61. Kamdhenu University, Amreli (Gujarat)
62. Prof. Jayashankar Teleangana State Agricultural University, Rajendranagar (Hyderabad)

DEEMED UNIVERSITIES

63. Indian Agricultural Research Institute, Pusa, New Delhi-110 012
64. Central Institute of Fisheries Education, Panch Marg, Off Yari Road, Versova, Andheri (West), Mumbai (Maharashtra) 400 061
65. Indian Veterinary Research Institute, Izatnagar, Bareilly (Uttar Pradesh) 243 122

66. Sam Higginbottom Institute of Agriculture Technology & Science (Formerly Allahabad Agricultural Institute), Rewa Road, Allahabad (Uttar Pradesh) 211 007

67. National Dairy Research Institute, Karnal (Haryana) 132 001

UNIVERSITIES WITH AGRICULTURE FACULTY

1. Aligarh Muslim University, Aligarh-202002, Uttar Pradesh (www.amu.ac.in)
2. Baranas Hindu University, Varanasi-221005, Uttar Pradesh (www.bhu.ac.in)
3. Nagaland University, Lumami-798 627, Nagaland
4. Visva-Bharati University, Shantiniketan-731235, Birbhum Distt., West Bengal (www.visva-bharati.ac.in)

किसानों के लिए उपयोगी प्रमुख एटिक और अन्य हैल्पलाइन नंबर

एटिक	हैल्पलाइन नम्बर
1. एटिक, भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, पूसा, नई दिल्ली	011-25841670
2. एटिक, तमिलनाडु पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय, चेन्नई, तमिलनाडु	044-27452371
3. एटिक, भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान, बरेली, उत्तर प्रदेश	0581-23230259 0581-2311111
4. एटिक, केन्द्रीय मरुक्षेत्र अनुसंधान संस्थान, जोधपुर, राजस्थान	0291-2786812
5. एटिक, कृषि इंजीनियरिंग कॉलेज, जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय जबलपुर, मध्यप्रदेश	0761-2681257 2680771-340, 9425170453
6. एटिक, शेर-ए-कश्मीर कृषि विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, कश्मीर	0194-2463459 9419405528
7. एटिक, सी एस के हिमाचल प्रदेश कृषि विश्वविद्यालय, पालमपुर, हिमाचल प्रदेश	01771551
8. एटिक, चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, हरियाणा	18001803001
9. एटिक, राजेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, पूसा, समस्तीपुर, बिहार	06274-240226
10. एटिक, नवसारी कृषि विश्वविद्यालय, नवसारी, गुजरात	02637-282786
11. एटिक, आनन्द कृषि विश्वविद्यालय, आनन्द, गुजरात	02692-2621108
12. एटिक, प्रसार शिक्षा निदेशालय, केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय, इम्फाल, मणीपुर	0385-2413227
13. एटिक, कृषि विज्ञान केन्द्र, सेलेसिह, आइजॉल, मिजोरम	0389-2362384

अन्य महत्वपूर्ण किसान हैल्पलाइन नम्बर

पूसा एग्रीकॉम नं0. (टोल फ्री)	1800-11-8989
किसान कॉल सेंटर (टोल फ्री)	1800-180-1551

Useful ATICs and other Helpline numbers for Farmers

	ATIC	Helpline numbers
1.	ATIC, Indian Agricultural Research Institute, New Delhi	011-25841670
2.	ATIC, Tamil Nadu University of Veterinary and Animal Sciences, Chennai, Tamil Nadu	044-27452371
3.	ATIC, Indian Veterinary Research Institute, Izatnagar, Uttar Pradesh	0581-23230259 0581-2311111
4.	ATIC, Central Arid Zone Research Institute, Jodhpur, Rajasthan	0291-2786812
5.	ATIC, Agricultural Engineering College, Jawaharlal Nehru Krishi Vishwa Vidyalaya, Jabalpur, Madhya Pradesh	0761-2681257 2680771-340, 9425170453
6.	ATIC, Sher-e-Kashmir University of Agricultural Sciences and Technology University, Kashmir	0194-2463459 9419405528
7.	ATIC, CSK Himachal Pradesh Krishi Vishvavidyalaya, Palampur, Himachal Pradesh	01771551
8.	ATIC, CCS Haryana Agricultural University, Hisar, Haryana	18001803001
9.	ATIC, Rajendra Agricultural University, Pusa, Samastipur, Bihar	06274-240226
10.	ATIC, Navsari Agricultural University, Navsari, Gujarat	02637-282786
11.	ATIC, Anad Agricultural University, Anand, Gujarat	02692-2621108
12.	ATIC, Directorate of Extension Education, Central Agricultural University,Imphal, Manipur	0385-2413227
13.	ATIC, Krishi Vigyan Kendra, Seling, Aizawl, Mizoram	0389-2362384

Other Important Farmer Helpline Numbers

Pusa Agricom No. (Toll free)	1800-11-8989
Kisan Call Centre (Toll free)	1800-180-1551

"हमें दो चीजों को सिद्ध करना है, पहला तो यही कि हमारा किसान देश और दुनिया का पेट भरने में सामर्थ्यवान हो और दूसरा हमारी कृषि किसान की जेब भरने में समर्थ हो।"

– प्रधान मंत्री